प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-225 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

विश्व डाक दिवस विशेष

ब्रज की विरासत से जुड़ा है टिकटों का इतिहास

मथुरा संग्रहालय पर जारी हुआ था डाक टिकट, चिट्ठियों की यादें आज भी जिंदा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की पहचान भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से है, लेकिन इस विरासत की एक झलक डाक टिकटों में भी दर्ज है। नौ अक्तूबर 1974 को मथुरा संग्रहालय पर डाक टिकट जारी किया गया था। यह तथ्य बताता है कि डाक टिकट केवल चिट्ठी भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि ऐतिहासिक धरोहरों को देश-दुनिया तक पहुंचाने का जरिया भी रहे हैं।

कभी मथुरा की गलियों से लेकर ब्रज के गांवों तक डाकिये की साइकिल की घंटी लोगों में उत्सुकता जगा देती थी। नौकरी के लिए बाहर गए बेटे की चिट्ठी, रिश्तेदारों का पोस्टकार्ड और त्योहारों पर आने वाले शुभकामना संदेश परिवारों के लिए खास मायने रखते थे। लिफाफे पर लगा डाक टिकट उस संदेश की यात्रा का गवाह बनता था।

समय के साथ चिट्ठियों का स्थान मोबाइल फोन और इंटरनेट ने ले लिया, लेकिन पुराने टिकटों और लिफाफों का

महत्व खत्म नहीं हुआ। इनमें देश के इतिहास, महापुरुषों, कला, स्थापत्य और सांस्कृतिक उपलब्धियों की झलक मिलती है। डाक टिकट संग्रह करने वाले लोग इन्हें केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि इतिहास के दस्तावेज के रूप में सहेजते हैं।

ब्रज की सांस्कृतिक पहचान और मथुरा संग्रहालय जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े टिकट स्थानीय इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए खास आकर्षण हो सकते हैं। पुराने पोस्टकार्ड और प्रथम दिवस आवरण भी संचार के बदलते दौर की कहानी कहते हैं।

विश्व डाक दिवस पर मथुरा संग्रहालय के नाम जारी टिकट की याद इस बात को रेखांकित करती है कि डाक व्यवस्था ने संदेश पहुंचाने के साथ-साथ विरासत को पहचान दिलाने में भी भूमिका निभाई। तकनीक भले बदल गई हो, लेकिन टिकटों में दर्ज इतिहास आज भी अतीत से जोड़ता है। मथुरा में इंजीनियर देवेन्द्र भाटिया के अलावा चंद ऐसे लोग भी हैं, जिनको डाक टिकट सहेजने के शौक से लगाव बना हुआ है।

डाक विभाग की योजनाओं से जुड़े पांच लाख खाताधारक, गांव-गांव पहुंची बचत की सुविधा

जिले में एक प्रधान डाकघर, 47 उपडाकघर और 197 शाखा डाकघर दे रहे सेवाएं

सुकन्या समृद्धि से लेकर पीपीएफ तक

बचत और बीमा योजनाओं के जरिए भविष्य सुरक्षित करने का अवसर

फोटो-प्रवर अधीक्षक विजेंद्र

यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल युग में बैंकिंग सेवाओं के तेजी से विस्तार के बावजूद डाक विभाग आज भी लोगों के बीच बचत और निवेश का भरोसेमंद माध्यम बना हुआ है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक डाक विभाग की विभिन्न बचत और बीमा योजनाओं का लाभ करीब पांच लाख खाताधारक उठा रहे हैं। जिले में एक प्रधान डाकघर, 47 उपडाकघर और 197 शाखा डाकघरों के माध्यम से लोगों तक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। आवर्ती जमा (आरडी), सावधि जमा (टाइम डिपॉजिट), सुकन्या समृद्धि योजना, लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), मासिक आय योजना और किसान विकास पत्र जैसी योजनाएं लोगों को नियमित बचत के साथ भविष्य की आर्थिक जरूरतों के लिए धन जुटाने का अवसर दे रही हैं। डाक विभाग की पहुंच और योजनाओं की विविधता इसे शहरी परिवारों के साथ ग्रामीण आबादी के लिए भी उपयोगी बना रही है। विश्व डाक दिवस के अवसर पर डाक विभाग की सेवाओं और बचत योजनाओं की भूमिका एक बार फिर चर्चा में है। डाकघर अब केवल चिट्ठी और पार्सल पहुंचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बचत, निवेश, बीमा और वित्तीय सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघर लोगों को छोटी-छोटी बचत के माध्यम से भविष्य के लिए पूंजी तैयार करने का अवसर दे रहे हैं। विभाग की विभिन्न योजनाओं में अलग-अलग आयु वर्ग और जरूरतों के अनुसार निवेश की सुविधा उपलब्ध है।

डाक विभाग की आवर्ती जमा योजना उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो हर महीने एक निश्चित राशि जमा करके धीरे-धीरे बचत करना चाहते हैं।

वहीं, सावधि जमा योजना में निर्धारित अवधि के लिए धन जमा किया जा सकता है।

मासिक आय योजना नियमित आय की जरूरत वाले निवेशकों के लिए विकल्प उपलब्ध कराती है। किसान विकास पत्र और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी योजनाएं भी बचत करने वालों के बीच महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। लोक भविष्य निधि योजना के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे है। डाक विभाग की सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इस योजना में दस वर्ष से कम आयु की बालिका के नाम खाता खुलवाये गए है।

अभिभावक नियमित निवेश के माध्यम से बेटी की शिक्षा और भविष्य की अन्य जरूरतों के लिए धन जुटा रहे हैं।

इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों और अन्य निवेशकों के लिए भी डाक विभाग की अलग-अलग बचत योजनाएं चल रही हैं। बचत के साथ डाक विभाग जीवन बीमा के क्षेत्र में भी सेवाएं दे रहा है। डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के माध्यम से पात्र

लोगों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है। ग्रामीण डाक जीवन बीमा के अंतर्गत ग्राम सुरक्षा, ग्राम संतोष और ग्राम प्रिया जैसी योजनाएं शामिल चल रही हैं। साथ ही बच्चों के लिए भी निर्धारित नियमों के अनुसार बीमा पॉलिसियों का विकल्प उपलब्ध है। जिले में डाकघरों का विस्तृत नेटवर्क होने से शहरी क्षेत्रों के साथ दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोगों को भी बचत और बीमा सेवाओं तक पहुंच मिल रही है।

छोटी बचत से भविष्य की सुरक्षा डाक योजनाओं के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। डाक विभाग की बचत योजनाएं लोगों को नियमित निवेश की आदत विकसित करने के साथ भविष्य की आर्थिक जरूरतों के लिए धन जुटाने का अवसर प्रदान करती हैं। प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने बताया कि विभाग की कई योजनाएं अलग-अलग आयु वर्ग और आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही हैं। इनका लाभ शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोग भी उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवर्ती जमा, सावधि जमा, मासिक आय योजना, किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र और लोक भविष्य निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से लोग अपनी जरूरत के अनुसार निवेश कर सकते हैं। वहीं, सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के माध्यम से भी पात्र लोगों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि जिले में डाक विभाग से लोग खूब लाभ उठा रहे है। विभाग एक पंख की तरह काफी उचाईयों तक पहुंच रहा है। जिले में करीब पांच लाख खाताधारकों का इन योजनाओं से जुड़ना डाक विभाग की व्यापक पहुंच को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि निवेश भविष्य की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक हो सकता है।

दिलों में बसी हैं डाकिया, पोस्टकार्ड और मनी ऑर्डर की यादें

चिट्ठियों के इंतजार से मोबाइल के संदेशों तक बदल गया डाक का संसार विश्व डाक दिवस आज

यूनिक समय, मथुरा। कभी घर के दरवाजे पर डाकिये की दस्तक पूरे परिवार में उत्सुकता जगा देती थी। किसी के हाथ में बेटे की चिट्ठी होती थी तो किसी के लिए बेटी के घर से आया पोस्टकार्ड खुशियां लेकर आता था। नौकरी का नियुक्ति पत्र हो या अपनों की कुशलक्षेम, डाक के हर लिफाफे से भावनाओं का रिश्ता जुड़ा रहता था। नौ अक्तूबर को विश्व डाक दिवस पर मथुरा में डाक व्यवस्था से जुड़ी ऐसी ही यादें एक बीते दौर की तस्वीर सामने लाती हैं।

ब्रज की गलियों और गांवों में डाकिया केवल चिट्ठियां पहुंचाने वाला कर्मचारी नहीं, बल्कि लोगों के सुख-दुख का साथी भी हुआ करता था। ग्रामीण क्षेत्रों में उसके आने का इंतजार रहता था। खाकी वर्दी, कंधे पर टंगा थैला और साइकिल की घंटी उसकी पहचान थी। चिट्ठी पढ़ना नहीं जानने वाले लोग डाकिये से ही संदेश पढ़वाते और जवाब लिखवाते थे। कई बार एक छोटी सी चिट्ठी दूर बैठे परिजनों से मिलने का एहसास करा देती थी।

मथुरा से बाहर नौकरी या पढ़ाई के लिए गए युवाओं के परिवारों के लिए डाकघर संपर्क का सबसे भरोसेमंद माध्यम था। त्योहारों पर शुभकामना पत्र भेजने की परंपरा थी। राखी के साथ भाई के नाम संदेश, विवाह के निमंत्रण और रिश्तेदारों को भेजे जाने वाले पोस्टकार्ड सामाजिक रिश्तों की गर्माहट बनाए रखते थे। जरूरत के समय मनीऑर्डर के जरिए घर पहुंचने वाली रकम परिवारों का सहारा बनती थी।

समय बदला तो संचार के साधन भी बदल गए। मोबाइल फोन, इंटरनेट और त्वरित संदेशों ने चिट्ठियों के इंतजार को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया। अब कुछ ही पलों में संदेश पहुंच जाता है, लेकिन हाथ से लिखे पत्रों में दर्ज भावनाओं और यादों का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है।

विश्व डाक दिवस डाक सेवाओं की इसी ऐतिहासिक भूमिका को याद करने का अवसर है। मथुरा के लिए डाक की स्मृतियां केवल पुराने संचार माध्यम की कहानी नहीं, बल्कि उन रिश्तों की विरासत हैं, जिनमें कुछ शब्दों और एक लिफाफे के सहारे दूरियां सिमट जाया करती थीं। पत्र लिखने की कला भी कायल बनाती थी।

इतिहास और विरासत को सहेजते हैं डाक टिकट

यूनिक समय, मथुरा। ऐतिहासिक डाक टिकट केवल पत्र भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि देश के इतिहास, संस्कृति और विरासत के दस्तावेज हैं। इन पर महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों, ऐतिहासिक इमारतों, वन्यजीवों और महत्वपूर्ण घटनाओं की झलक मिलती है। पुराने डाक टिकट बीते दौर की डाक व्यवस्था, तत्कालीन शासन और सामाजिक बदलावों की जानकारी भी देते हैं। मथुरा और ब्रज क्षेत्र के संदर्भ में डाक टिकटों का महत्व धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक धरोहरों को समझने में है।

गोवर्धन-मथुरा मार्ग पर गड्ढों का जाल, हर पल हादसे का खतरा

गांव दतिया के पास खराब सड़क।

गांव सतोहा के समीपन सड़क में बना गड्ढा।

दतिया-सतोहा के समीप सड़क की बदहाली से वाहन चालक परेशान

गड्ढों से बचने के फेर में अचानक मोड रहे वाहन, जिम्मेदार बेखबर

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन से मथुरा आने वाले मार्ग पर सफर करना वाहन चालकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। दतिया और सतोहा गांव के समीप सड़क खराब है। वाहन चालकों को रास्ते पर नजर रखने के साथ ही हर पल गड्ढों से बचने की जद्दोजहद करनी पड़ती है। सामने अचानक गड्ढा दिखाई देते ही चालक वाहन को इधर-उधर मोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में दूसरे वाहनों से टकराने और दोपहिया चालकों के संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से सड़क की मरम्मत को लेकर ठोस पहल होती नजर नहीं आ रही है।

गोवर्धन-मथुरा मार्ग पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में दोपहिया- चार पहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। आम लोगों से लेकर अधिकारियों और विशिष्ट व्यक्तियों तक की आवाजाही इसी मार्ग से होती है। इतनी व्यस्त सड़क पर गड्ढे होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। दतिया और सतोहा गांव के समीप सड़क पर बने गड्ढे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। सड़क की सतह खराब होने के कारण वाहन चालकों को रफ्तार कम करनी पड़ती है। कई बार गड्ढे अचानक सामने आने पर संभलने का मौका तक नहीं मिलता। सड़क पर गड्ढों की स्थिति वाहन चालकों के लिए दोहरी मुसीबत बन गई है। दूसरी ओर उनसे बचने के लिए अचानक वाहन मोड़ना जोखिम भरा साबित हो सकता है। पीछे से आ रहे वाहन चालक को सामने वाले वाहन की अचानक दिशा बदलने का अंदाजा नहीं मिल पाता। गोवर्धन-मथुरा मार्ग पर केवल एक स्थान ही नहीं, बल्कि अन्य हिस्सों में भी गड्ढों की समस्या सामने आ रही है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति सुधारने के लिए प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

दबंगों ने किया मारपीट का वीडियो वायरल बेटे के साथ मारपीट की पिता ने दी तहरीर

यूनिक समय,मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र में युवक के साथ हुई मारपीट का वीडियो वायरल होने पर पीड़ित के पिता ने थाना हाईवे में तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि थाना हाईवे की एम एस पुरम कॉलोनी(मंशा टीला) में रहने वाले पंकज पचौरी का बेटा लकी पचौरी(17) दो अक्टूबर को पुष्पांजली के समीप खड़ा था। बताया गया कि उसके साथ कॉलोनी के युवक हेमंत, हिमांशू और ललित वहां आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट की। भागने पर दोनों ने पकड़ लिया और जमीन पर गिराने के बाद उसकी पीठ पर पत्थर मारा। दबंगो ने मारपीट का वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पंकज पचौरी ने थाना हाईवे में मारपीट करने वालों के खिलाफ तहरीर दी है।

एनएचएम कर्मचारियों के धरने को पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने दिया समर्थन

मांगें पूरी नहीं होने पर 12 अक्टूबर से लखनऊ में प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों का सीएमओ कार्यालय पर चल रहा धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। कल से शुरू हुए धरने के दूसरे दिन पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने धरनास्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं और मांगें सुनीं और आश्वासन दिया कि लखनऊ जाकर उनकी बात शासन स्तर तक अवश्य पहुंचाएंगे। एनएचएम कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अमर गोपाल ने बताया कि सीएमओ कार्यालय पर तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनका समाधान नहीं हुआ है। यदि उनकी जायज मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेश के सभी 75 जिलों के एनएचएम कर्मचारी 12 अक्टूबर से लखनऊ में धरना-प्रदर्शन करेंगे। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दे रहे हैं। इसके बावजूद नियमितीकरण, वेतन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। धरने में दया शंकर, गोविंद, विवेक सारस्वत, नारायण सिंह, मोहन आदि मौजूद रहे।

दो हमलावरों को तीन साल की कैद नौ हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

यूनिक समय,मथुरा। विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटीएक्ट) पल्लवी अग्रवाल ने घर में घुसकर मारपीट करने और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने वाले दो अभियुक्तों को तीन साल का साधारण कारावास और नौ हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सहायक शासकीय अधिवक्ता अवनीश उपाध्याय ने बताया कि राजू निवासी मांट राजा का 22 जून 2008 को नल पर पानी भरने को लेकर पड़ौसी अतर सिंह से कहासुनी हो गई थी। अगले दिन सांय करीब आठ बजे अतर सिंह, सूखा और अमर सिंह पुत्रगण चंद्रपाल जाट लाठी डंडे लेकर उनके घर में जबरदस्ती घुस आए और राजू व उसकी पत्नी ऊषा रानी को घसीटते हुए बाहर ले गए। इसके बाद लाठी,डंडो से बुरी तरह पीटा गया, इसके बाद हमलावरों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज करते हुए जानसे मारने की धमकी दी। गांव के लोगो ने किसी तरह उन्हें बचाया। मारपीट में घायलों का मेडिकल कराया गया। इस मामले में थाना मांट में हमलावरों के खिलाफ थाना मांट में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने वा एससी एचटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश किया। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटीएक्ट) पल्लवी अग्रवाल की कोर्ट में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त अमर सिंह, सूखा उर्फ उदय सिंह को तीन साल के साधारण कारावस और नौ हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

मध्यस्थता अभियान के तहत सुलह-समझौते से निपटाए जाएंगे लंबित मामले, वैवाहिक विवाद

चेक बाउंस, संपत्ति बंटवारे और दुर्घटना दावों सहित कई मामलों का होगा निस्तारण

यूनिक समय, मथुरा। न्यायालयों में लंबित मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने के लिए पूरे देश में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 3.0 चलाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अनुसार, यह अभियान एक अगस्त से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति के तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण कराया जाएगा। इसके तहत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना मुआवजे के दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी विवाद, समझौते योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारे, बेदखली और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों सहित अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर कराया जाएगा। अभियान के तहत जिन पक्षकारों के मामले न्यायालय में लंबित हैं और वे आपसी सहमति से विवाद सुलझाना चाहते हैं, वे संबंधित न्यायालय में अपना प्रार्थना पत्र दे सकते हैं।

खेतों से मंदिरों तक फूलों का सफर, आस्था संग सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी

किसानों के खेतों से दुकानों तक पहुंचते हैं फूल, मालाओं और श्रृंगार से जुड़ता रोजगार

वृंदावन में पीढ़ियों से फूलों का कारोबार, भगवान के चरणों तक पहुंचने से पहले होती है घंटों मेहनत

यूनिक समय, वृंदावन। खेतों में खिलने वाले रंग-बिरंगे फूल जब वृंदावन के मंदिरों में भगवान के चरणों तक पहुंचते हैं, तो उनके साथ आस्था, समर्पण और सैकड़ों लोगों की मेहनत की कहानी भी जुड़ी होती है।

इस्कान मंदिर के सामने बिक्री को सजाए गए फूल।

गुलाब, गेंदे और चमेली की खुशबू केवल मंदिरों के वातावरण को महकाती नहीं, बल्कि किसानों, फूल विक्रेताओं और माला बनाने वाले कारीगरों के घरों में चूल्हा जलाने का सहारा भी बनती है। धार्मिक नगरी में फूलों का कारोबार श्रद्धालुओं की आस्था के साथ अनेक परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण माध्यम है।

खेतों से फूलों का सफर शुरू होता है। किसान मौसम और मांग के अनुसार विभिन्न प्रजाति के फूल उगाते हैं। सुबह होते ही चंपा, चमेली, गुलाब, मौंगरा, गेंदा आदि फूलों को सावधानी से तोड़कर बाजारों तक पहुंचाया जाता है।

यहां से फूल विक्रेताओं और कारीगरों के हाथों में पहुंचकर ये फूल मालाओं, हार और भगवान के आकर्षक श्रृंगार का रूप लेते हैं। घंटों की मेहनत के बाद तैयार हुई मालाएं मंदिरों में पहुंचती हैं, जहां श्रद्धालु उन्हें भगवान को अर्पित करते हैं।

इस्कॉन मंदिर के पास फूलों की दुकान लगाने वाले गोविंदा बताते हैं कि फूलों का कारोबार उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। उनके पिता भी इसी काम से परिवार का पालन-पोषण करते थे। अब वह इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके लिए फूल बेचना केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पुश्तैनी काम और परिवार की जिंदगी चलाने का जरिया है।

आस्था से मिलता है रोजगार

वृंदावन में मंदिरों और श्रद्धालुओं की नियमित आवाजाही के कारण फूलों की मांग बनी रहती है। त्योहारों, विशेष पर्वों और धार्मिक आयोजनों के दौरान फूलों, मालाओं और श्रृंगार सामग्री की जरूरत बढ़ जाती है। इस कारोबार से जुड़े लोगों की आमदनी श्रद्धालुओं की मांग पर निर्भर करती है। खेतों में मेहनत करने वाले किसानों से लेकर फूलों को सजाकर माला बनाने वाले कारीगरों तक, इस सफर में अनेक हाथ शामिल हैं। जब फूल भगवान के चरणों में पहुंचते हैं, तो उनमें खेती की मेहनत, कारीगरी और परिवारों की उम्मीदें भी समाहित होती हैं। वृंदावन में फूलों का यह संसार आस्था और आजीविका के अनूठे रिश्ते को दर्शाता है।

सूचना

मै सुरजपाल पुत्र श्री दीनदयाल निवासी सुखदेवपुर सिहोरा रोड तहसील महावन जिला मथुरा मेरा पुत्र मोहन व पुत्रवधू चीनू कश्यप गलत संगत में पड़ गए है, उनके द्वारा किये गए कृत्य व लेन-देन के लिए वो स्वयं जिम्मेदार होंगे भविष्य में उनका मुझसे व मेरे परिवार से कोई भी सम्बन्ध नहीं होगा, मैं उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ।

नाम परिवर्तन

मैं, प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, श्री नाथ चतुर्वेदी का पुत्र, 1 शिव पुरी, चंद्रपुरी धौली प्याऊ, मथुरा का निवासी, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम पी.के. चतुर्वेदी से बदलकर प्रमोद कुमार चतुर्वेदी कर लिया है। अब से मुझे भविष्य में सभी कामों के लिए प्रमोद कुमार चतुर्वेदी के नाम से जाना और पढ़ा जाएगा।

बाबरिया गैंग के दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल

बाबरिया गैंग ने फरह के दो गांवों के चार घरों में की थी चोरी

देशी तमंचे कारतूस, नकदी और जेवरात, बाइक बरामद

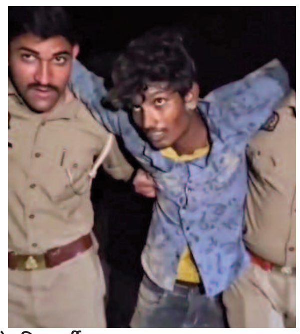

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाशों को ले जाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करके बाबरिया गैंग के दो सदस्यों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को उनसे दो देशी तमंचे- कारतूस और चोरी किए गए जेवरात और नकदी भी मिली है। सीओ रिफाइनरी प्रवीन तिवारी ने बताया कि धाना जीवना और थिरावली गांव के चार घरों में हुई चोरी की वारदात के बाद एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना के अनावरण के लिए स्वाट टीम और थाना फरह की पुलिस टीम को लगाया गया था। पुलिस टीमों ने सीसी टीवी की फुटेज और दूसरी जानकारी के आधार पाया कि चोरी की वारदात बाबरिया गैंग द्वारा की गई है। फरह पुलिस ने इस मामले में बाबरिया गैंग के एक सदस्य को कल चोरी के माल और देशी तमंचा कारतूसों के साथ गिरफ्तर किया था। पुलिस और स्वाट टीम गैंग के अन्य सदस्यों को इलाके में तलाश रही थी। इसी बीच पुलिस को मोटरसाइकिल पर आते हुए दो लोग दिखाई दिए पुलिस को देख कर बाइक सवार पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। रोकने पर गोली चलाने लगे,पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और दोनों घायल होकर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो देशी तमंचे कारतूसों के अलावा एक बाइक और दो जोड़ी पायजेब सफेद धातु की, 10700 रुपये की नकदी बरामद हुई है। घायल हुए बदमाश सुनील और संजू को इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया।

राधाकुंड में मिला मजदूर का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र स्थित राधाकुंड में एक अज्ञात शव मिला। मृतक की शिनाख्त मजदूर पप्पू के रुप में हुई है। पुलिस मौत को जहां अधिक शराब पीने का मामाल बता रही है। वहीं जनता हत्या किए जाने का शक जाहिर कर रही है।

गोवर्धन पुलिस ने राधाकुंड में एक खेत के समीप बनी बाउंड्रीवाल के पास से एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत शराब पीने के कारण हुई प्रतीत होती है। वहां से गुजरने वाले मजदूरों ने उसकी शिनाख्त गांव जिखन गांव निवासी मजदूर पप्पू के रुप में की। बताया गया कि वह मजदूरी करता था। शव को देखने से लगता है कि उसकी हत्या हुई है। पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बे लगाम हो गए टेंपो चालक बाइक सवार को मारी टक्कर

मथुरा- वृंदावन रोड पर आए दिन हो रहे हादसे

बिरला मंदिर क्षेत्र बना ब्लैक स्पॉट

टेंपो की टक्कर से घायल बाइक सवार।

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में ई-रिक्शा और टेंपो चालकों की लापरवाही राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। यातायात नियमों की अनदेखी और बिना पीछे देखे अचानक कट मारने जैसी हरकतों से हादसों का खतरा बढ़ रहा है।

ऐसा ही एक मामला बिरला मंदिर से कुछ दूरी पीछे सामने आया, जहां पीछे से आए एक टेंपो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया, जबकि टेंपो चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे बिरला मंदिर क्षेत्र में यह हादसा हुआ। एक बाइक सवार मोटरसाइकिल से वृंदावन जा रहा था। इसी दौरान धैरेरा के पास पीछे से आए टेंपो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार घायल हो गए और उनकी आंख पर गंभीर चोट आई। नाम-पता बताने के दौरान वह बेहोश हो गया।

घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया गया कि इस घटना से करीब 25 से 30 मिनट पहले भी इसी क्षेत्र में एक अन्य हादसा हुआ था, जिसमें टेंपो चालक की गलती बताई कही जा रही है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चालकों की लापरवाही से दूसरे वाहन सवारों की जान जोखिम में पड़ रही है।

छाता रोड पर कार की टक्कर से युवक घायल

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना थाना क्षेत्र में छाता रोड पर कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर घायल हो गया। मामले में घायल के भाई सौरभ ने बरसाना थाने में शिकायत दर्ज कराई है। घटना छह अक्टूबर की शाम करीब 5:30 बजे की है। सौरभ का भाई गौरव कुमार मोटरसाइकिल से बरसाना से अपने घर गांव जनौली जा रहा था। छाता रोड पर पेट्रोल पंप के पास छाता की ओर से आ रही कार के चालक ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में गौरव कुमार के दाएं हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जबकि मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके से गुजर रहे संजय और अन्य ग्रामीणों ने एंबुलेंस बुलवाई।

जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद

यूनिक समय, मथुरा। छाता थाना क्षेत्र के गांव जनूठ में जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। गांव निवासी चेतराम ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि जमीन को लेकर विवाद के दौरान आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के अनुसार, 28 सितंबर को शाम करीब चार बजे मनश्याम, उत्तम, काशीराम, मनवीर, सुरेश, नन्ने, दिगंबर और अन्य लोगों ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से हमला किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि हमले में उन्हें चोटें आईं। इसके बाद 29 सितंबर को सुबह करीब 10:30 बजे भी विवाद होने और मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में जमीन बेचने को लेकर धमकी देने की बात भी कही गई है। चेतराम ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान आरोपों और घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

दीनदयाल मेले में जान से मारने की धमकी

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र के दीनदयाल धाम मेले के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है। पाल सिंह निवासी ग्राम रहीमपुर के अनुसार, सात अक्टूबर की रात करीब 11 बजे वह मेले में मौजूद थे। इसी दौरान राजेश, रामवीर और चार-पांच अन्य लोगों ने लाठी-डंडों से उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि आरोपितों ने राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर फरह थाने में आठ अक्टूबर को मुकदमा दर्ज किया गया।

चारागाह की भूमि पर कब्जा मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव थाना क्षेत्र में चारागाह डालने की भूमि पर कब्जा करने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। लेखपाल कमलेश पाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम वरन स्थित चारागाह की भूमि पर कब्जा कर लिया है। बन्नू निवासी ग्राम वरन ने चारा डालने की भूमि पर कब्जा कर रखा है। कई बार मना करने के बावजूद संबंधित व्यक्ति ने कथित कब्जा नहीं हटाया। अब आरोपों की जांच के बाद पुलिस कार्रवाई करेगी।

खेत पर पानी लगाने के विवाद में युवक से मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना थाना क्षेत्र के ग्राम जानू में खेत पर पानी लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जीतू ने बताया कि सात अक्टूबर को खेत पर पानी लगाने के दौरान पड़ोसी नीरज, भोला और राम के साथ विवाद हुआ था। आरोप है कि इसके बाद आठ अक्टूबर की सुबह करीब आठ बजे आरोपियों ने घर पहुंचकर जीतू के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। शिकायत में महिला कमलेश पर भी गाली-गलौज करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने नीरज, भोला, राम और कमलेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्वस्थ गोवंश प्रतियोगिता में दीनदयाल धाम की गाय अव्वल

पं. दीनदयाल महोत्सव में गौ प्रतियोगिता का गौ पूजन करके शुभारंभ करते अजीम महापात्रा, दुवासु कुलपति डा. अभिजीत मित्रा, सदस्य रमांकात उपाध्याय आदि।

माधव की गाय ने जीता प्रथम पुरस्कार

राजेंद्र की गाय दूसरे स्थान पर रही

गोबर के बदले हरा चारा देने की योजना बनाएगा दुवासु, कुलपति ने बताई पहल

यूनिक समय, फरह। दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में शुक्रवार को आयोजित स्वस्थ गोवंश प्रतियोगिता में दीनदयाल धाम के माधव की गाय ने प्रथम पुरस्कार जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता में राजेंद्र की गाय दूसरे और गिर्राज गोशाला परखम की गाय तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में दो दर्जन गायों के साथ गोपालक पहुंचे। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में गोवंश के संरक्षण, देसी नस्लों के संवर्धन और गोपालकों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (दुवासु) के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा, गोशाला मंत्री हरीशंकर शर्मा, अजीत महापात्रा, चंद्रशेखर, भीकम चंद दुबे और डॉ. कैलाश ने मंत्रोच्चार के बीच गोपूजन करके किया।

गोसेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने कहा कि देसी गाय का दूध, घी और दही स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। भारतीय परंपरा में गाय को आरोग्य और संरक्षण का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नस्ल सुधार के क्षेत्र में अभी और काम करने की जरूरत है, जबकि राजस्थान में इस दिशा में बेहतर प्रयास हो रहे हैं। गोपालकों में बढ़ती जागरूकता से देसी गायों के प्रति रुचि बढ़ रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से गोवंश संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय गोपालकों से गोबर लेकर उसके बदले हरा चारा उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रहा है। गोबर से विभिन्न उत्पाद तैयार कर उनके माध्यम से खर्च की भरपाई की जाएगी। इससे गोपालकों को चारे की उपलब्धता और गोबर का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर परिसर में मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें विज्ञान, तकनीक और खेती-किसानी से जुड़ी गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

अखिल भारतीय गोसेवा प्रमुख अजीत महापात्रा ने कहा कि विदेशों में भी देसी गायों के पालन के प्रति रुचि बढ़ रही है। गाय को केवल पशु के रूप में देखने के बजाय उसके प्रति सम्मान और सेवा का भाव रखना चाहिए। दुवासु के सहायक आचार्य डॉ. रामसेवक यादव ने गोपालकों को पौष्टिक आहार तैयार करने की जानकारी दी। सहायक आचार्य डॉ. श्वेता सचान ने गोपालकों को क्रॉस ब्रीडिंग से जुड़े विषयों पर जागरूक करते हुए देसी नस्लों के संरक्षण का महत्व समझाया।

प्रतियोगिता में राजेंद्र पाठक, चंद्रकांत और गौरी शंकर पाठक ने अपनी गायों के स्वस्थ रहने के अनुभव साझा किए। गायों को लेकर पहुंचे पालकों को गुड़ और दाना भी दिया गया। कार्यक्रम में जगमोहन पाठक, शिवकुमार, शशिकांत, भोला चौधरी, गोविंदा, देवेंद्र प्रताप, राम पाठक, वीरेंद्र, रवि, सुनील पाठक, विजय पाठक, राजवीर सिंह, सतीश पचौरी, रामनरेश उपाध्याय, दिनेश तरकर और प्रीतम सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत किया गया। संचालन महीपाल सिंह ने किया।

हम तुम चाहे मिट भी जाएं, हिंदुस्तान जरूरी है' से गूंजा कवि सम्मेलन

दीनदयाल धाम में कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते राज्यसभा सदस्य नवीन जैन आदि।

कवि सम्मेलन में कवियों ने सुनाई वीर-श्रृंगार रस की कविताएं, चुटकलों से गुदगुदाया

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मोत्सव चार दिवसीय मेले के तीसरे दिन गुरुवार रात को आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में आए कवियों ने वीर रस से श्रृंगार रस का भाव दर्शाया। बेटी का महत्व बताया तो मोबाइल के खराब काम गिनाए। शुभारंभ राज्य सभा सदस्य सांसद नवीन जैन, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र शर्मा, निदेशक सोनपाल आदि जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शुभारंभ करते हुए श्रृंगार रस की कवयित्री सपना सोनी ने मां शारदे की वंदना 'जय मां शारदे, तेरे चरणों में शीश नवाऊं' से की। उनके मधुर स्वर में मां के गुणगान से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। इसके बाद कवियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। कहीं श्रोता लोटपोट होकर हंसते रहे तो कहीं देशभक्ति के नारों से पूरा धाम गूंज उठा।

ओजस्वी कवयित्री प्रियंका राय ने जब कहा 'हम तुम चाहे मिट भी जाएं, हिंदुस्तान जरूरी है' तो युवा भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वैचारिक कवि सुमित ओरछा ने कहा– असली कवि वह नहीं जो सिर्फ दूसरों पर उंगली उठाए, असली कवि वह है जो खुद को भी कठघरे में खड़ा कर सके। वीर रस के कवि राव अजात शत्रु ने हल्दीघाटी से मंगल पांडे तक की गाथा सुनाई। युवा कवि सचिन सारंग ने महाराणा सांगा के 80 घावों के शौर्य का वर्णन कर जोश भर दिया।

कवि सुदीप भोला ने कहा- 'मोबाइल की थोड़ी सी नादानी जिंदगी की पूरी कहानी बदल सकती है'। किसान पर बोले- 'जिसके दम पर देश खड़ा है, वही बेबस क्यों खड़ा है'। कवि विष्णु सक्सेना ने 'आसमान छू लो तो फूल मत जाना, भला करो तो याद मत रखना' सुनाकर वाह-वाही लूटी। उन्होंने श्रोताओं की मांग पर कई कविताएं पढ़ी। शाम से शुरू हुआ कवि सम्मेलन रात तीन बजे तक चला। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, महोत्सव समिति अध्यक्ष एड. सोहन लाल शर्मा, मंत्री मनीष अग्रवाल रावी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक, कार्यक्रम संयोजक जगमोहन पाठक, राजेंद्र शर्मा, उमेश शर्मा, महीपाल सिंह, आर्येंद्र, मोनू तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाजना में आदर्श रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ, हवन बाद काटा फीता

रामलीला मंचन के लिए पूजन करते रामलीला समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, बाजना। कस्बे में गुरुवार को आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ और फीता काटकर की गई। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लेकर महोत्सव की शुरुआत को यादगार बनाया। महोत्सव के पहले दिन उत्तर प्रदेश के चन्दौसी से आए रामलीला कलाकारों ने अपनी शानदार कला और प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया। मंचन के दौरान पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। रामलीला देखने के लिए कस्बे के साथ–साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुंचे। इस अवसर पर चेयरमैन सुभाष चौधरी, गन्ना सेठ, राजेश अग्रवाल, भूरा बाबा, राजकुमार बाबूजी और द्वारका प्रसाद सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए कमेटी के प्रयासों की प्रशंसा की। आयोजन को सफल बनाने में रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

लोकगीतों की मस्ती में झूमा दीनदयाल मेला पंडाल

महापौर हेमलता दिवाकर बोलीं–मेरी नजर में सभी प्रतिभागी महिलाएं विजेता

दीनदयाल महोत्सव के दौरान लोकगीत प्रस्तुत करतीं महिलाएं।

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले में शुक्रवार को महिला लोकगीत और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य पंडाल में आयोजित लोकगीत प्रतियोगिता में गांव और शहर से आई महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। ढोलक की थाप और हारमोनियम के सुरों पर लोकगीतों की मस्ती ऐसी छाई कि पूरा पंडाल झूम उठा। महिलाओं की प्रस्तुतियों ने ब्रज की लोक संस्कृति और पारंपरिक गायन की छटा बिखेर दी। कार्यक्रम में आगरा की महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा अध्यक्ष के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने प्रतिभागी महिलाओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी है। ऐसे में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान का चयन करना बेहद कठिन है। उन्होंने कहा कि मेरी नजर में सभी प्रतिभागी महिलाएं विजेता हैं। महापौर ने महिलाओं की प्रतिभा और उत्साह की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। साथ ही सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र महिलाओं से उनका लाभ उठाने की अपील की।

मेहंदी प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने हाथों पर मेहंदी से आकर्षक और बारीक कलाकृतियां उकेरीं। पारंपरिक डिजाइनों से लेकर मनमोहक आकृतियों तक, बालिकाओं की रचनात्मकता ने निर्णायकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में संयोजक की जिम्मेदारी रीना सिंह और डॉ. जमुना शर्मा ने निभाई, जबकि सहसंयोजक के रूप में कमलेश चौहान और प्रमिला

कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाए करतब

दांव पेंच और चित्तपट्ट पर जमकर बजी तालियां

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में शुक्रवार को विराट कुश्ती दंगल आयोजित हुआ। शुभारंभ विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह ने पहलवानों के हाथ मिलवा कर किया। देर शाम तक चले दंगल के दौरान पहलवानों ने एक से बढ़कर एक कुश्ती लड़ी और बेहतर दांव पेंच दिखाए।

दंगल के लिए दोपहर से ही पहलवानों का आना शुरू हो गया था। शुरुआत में छोटे पहलवानों की कुश्ती कराई गई। इसके बाद जैसे–जैसे सूरज ढलने लगा, कुश्ती बड़ी होती चली गई। पहलवानों ने चित्त पट्ट की कई कुश्तियां से इनाम भी जीते।

दंगल में कार्यक्रम आयोजक शोभाराम शर्मा, सुल्तान सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह ,महिपाल सिंह ,राज दर्शन पचौरी, महेश पचौरी, ओम प्रकाश पाठक ,रामनरेश उपाध्याय ,विष्णु शुक्ला, धर्मेंद्र विसू, लाल सिंह, रामवीर पाठक, विजय पाठक, सुरेश तरकर, गोविंद सिंह प्रधान, पारस ठाकुर, बृजमोहन, रविंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

बीएसए कार्यालय में हंगामा, महिला अधिकारी को धमकी देने का आरोप, शिक्षक निलंबित

नगला आंधू के सहायक अध्यापक पर अभद्रता और रौब गांठने का आरोप, दो खंड शिक्षा अधिकारियों की टीम करेगी जांच

बीएसए बोलीं–समझाने का प्रयास किया, फिर भी दी 'देख लेने' की दी धमकी

यूनिक समय, मथुरा। शुकवार को बीएसए कार्यालय में उस समय माहौल गरमा गया, जब एक सहायक अध्यापक ने महिला अधिकारी के सामने कथित तौर पर अभद्रता करने, दबाव बनाने और देख लेने की धमकी दी। प्रकरण को गंभीर मानते हुए बीएसए रतन कीर्ति ने प्राथमिक विद्यालय नगला आंधू, गोवर्धन में तैनात सहायक अध्यापक मनोज कुमार को निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की तह तक पहुंचने के लिए गोवर्धन और नंदगांव के खंड शिक्षा अधिकारियों की दो सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। अब जांच में शिक्षक के कथित तेवर और विभागीय अनुशासन से जुड़े आरोपों की परतें खुलेंगी।

निलंबन आदेश के अनुसार, मनोज कुमार बिना स्वीकृत अवकाश अथवा सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के विद्यालय अवधि में आज बीएसए कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि वहां कर्मचारियों की मौजूदगी में उन्होंने महिला अधिकारी से अमर्यादित भाषा में बातचीत की और उग्र तेवर दिखाते हुए कथित तौर पर देख लेने की धमकी दी। आदेश में कार्यालय समय के दौरान शराब के सेवन की आशंका का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि जांच में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। विभागीय आदेश में शिक्षक पर जनप्रतिनिधियों का नाम लेकर अधिकारी को प्रभावित करने, पद से हटवाने की धमकी देने और कथित तौर पर अज्ञात या फर्जी मोबाइल नंबरों के जरिए दबाव बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं। बीएसए के मुताबिक, उन्होंने शिक्षक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें भी धमकी दी गई। मामला केवल कार्यालय में हुए कथित विवाद तक सीमित नहीं है। मनोज कुमार पर पूर्व निरीक्षणों के दौरान विद्यालय से अनुपस्थित मिलने के आरोपों का भी उल्लेख किया गया है। जांच समिति उपस्थिति पंजिका, निरीक्षण आख्या, मानव संपदा पोर्टल और अवकाश अभिलेखों की पड़ताल करेगी। निलंबन अवधि में शिक्षक को प्राथमिक विद्यालय खुसलागढ़ी, विकासखंड नौहझील में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

गुरुकुल हादसे पर संत–महंतों में रोष, मृतक छात्रों के परिजनों को 11–11 लाख मुआवजा देने की मांग

गुरुकुल हादसे पर आयोजित बैठक में मौजूद संत- महंत।

गुरुकुलों और छात्रावासों की जांच कराने की उठाई मांग

सरकारी संस्कृत विद्यालय खोलने का दिया सुझाव

यूनिक समय, वृंदावन। नगर के चैतन्य विहार स्थित पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम में टैंक की सफाई के दौरान चार छात्रों की मौत से संत-महंतों में गहरा रोष है। संतों ने मृतक छात्रों के परिजनों को 11-11 लाख रुपये मुआवजा देने, घटना की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में परिक्रमा मार्ग स्थित मोर कुटी आश्रम में संत-महंतों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया गया। मोर कुटी आश्रम के महामंडलेश्वर परमेश्वर दास त्यागी ने कहा कि टैंक की सफाई के दौरान चार छात्रों की मौत बेहद दुखद है। दूर-दराज से संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने वृंदावन आने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन–प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मृतक छात्रों के परिजनों को कम से कम 11-11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की।

महंत मोहिनी बिहारी शरण और महंत गंगा दास ने कहा कि वृंदावन में संचालित गुरुकुलों और छात्रावासों को चिन्हित कर उनकी व्यवस्थाओं, सुरक्षा मानकों और विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच कराई जाए। उन्होंने बच्चों को निःशुल्क संस्कृत शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकारी संस्कृत विद्यालय खोलने का सुझाव भी दिया। संत-महंतों ने कहा कि हादसों के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए। बैठक में रामेश्वर दास, रामदास, पुरुषोत्तम दास, अभिलेख दास, श्यामदास सहित अन्य संत-महंत उपस्थित रहे।

आगरा मंडल में रेल विकास पर मंथन सांसदों ने उठाईं यात्री सुविधाओं से जुड़ी मांगें

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में रेल अवसंरचना के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह की उपस्थिति में सांसदों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

आगरा के एक स्थानीय होटल में हुई बैठक में नई ट्रेन सेवाएं, ट्रेनों के ठहराव, स्टेशन पुनर्विकास, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े सुझाव रखे गए। महाप्रबंधक ने कहा कि आगरा मंडल प्रमुख रेल मार्गों पर स्थित होने के कारण महत्वपूर्ण है। पर्याप्त बजट, आधुनिक तकनीक और निगरानी से रेल परियोजनाओं को गति दी जा रही है। वित्त वर्ष 2025–26 में मंडल ने 353.07 लाख यात्रियों से 729.92 करोड़ रुपये की यात्री आय और 548.87 करोड़ रुपये की मालभाड़ा आय अर्जित की। आगरा कैंट और मथुरा जंक्शन स्टेशन पुनर्विकास योजना में शामिल हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयनित 15 स्टेशनों में छह का कार्य पूरा हो चुका है।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने मथुरा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2, 8, 9 और 10 को जोड़ने के लिए आगरा छोर पर फुट ओवरब्रिज बनाने, गतिमान एक्सप्रेस का ठहराव देने का सुझाव दिया। राज्यसभा सांसद चौधरी तेजवीर सिंह की ओर से भी मथुरा में ट्रेनों के ठहराव और पंडित दीनदयाल स्मृति मेला महोत्सव के दौरान अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की मांग रखी गई। बैठक में सांसद राजकुमार चाहर ने मेमू ट्रेन के विस्तार, वाटर कूलर और अंडरपास की समस्या उठाई। सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल ने टुंडला और फफूंद स्टेशनों पर ठहराव के सुझाव दिए। सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे ने यात्री सुविधाओं और नवीन जैन ने आगरा से इंदौर और उज्जैन के लिए नियमित ट्रेन सेवा की मांग की।

जूनियर बालिका कबड्डी के जिला स्तरीय ट्रायल 12 अक्टूबर को

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के तत्वावधान में 15 से 17 अक्टूबर तक मुरादाबाद में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 12 अक्टूबर को मथुरा में आयोजित किया जाएगा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी चयन ट्रायल स्वर्गीय मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में 12 अक्टूबर को अपराह्न तीन बजे से होगा। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों के लिए मंडल स्तरीय चयन ट्रायल 13 अक्टूबर को आगरा में आयोजित किया जाएगा।

पारिवारिक विवाद को लेकर महिला के घर पहुंचकर मारपीट और धमकी देने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद को लेकर एक महिला ने कुछ लोगों पर घर पहुंचकर मारपीट करने, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता रचना चतुर्वेदी ने बताया कि परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते एक अक्टूबर को शाम करीब 7:30 बजे कुछ लोग उनके घर के दरवाजे पर पहुंचे। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकी दी, दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया। महिला का आरोप है कि इससे परिवार के लोगों में भय का माहौल बन गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विवाद के कारण परिवार पहले से परेशान है और उन्हें अपने परिजनों की सुरक्षा की चिंता है। महिला ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा परिवार की जान की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की।

20 हजार का इनामी गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। हाईवे पुलिस ने राजस्थान के जयपुर में हुई हत्या के मामले में वांछित चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से देशी तमंचा- कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, शांतिनगर कोतवाली निवासी देवेंद्र उर्फ देवेश थाना शिवदासपुरा जनपद जयपुर राजस्थान में हत्या के मामले में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था। हाईवे पुलिस ने मालगोदाम वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से एक देशी तमंचा-कारतूस भी मिले हैं।

राजकीय आईटीआई में 12 को लगेगा प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप मेला

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य संजीव कुमार पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 12 अक्टूबर को वृंदावन रोड स्थित राजकीय आईटीआई परिसर पर किया जाएगा। मेले में वर्ष 2023, 2024, 2025 और 2026 में आईटीआई उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के साथ नौकरी पाने के इच्छुक अन्य बेरोजगार अभ्यर्थी भी भाग ले सकते हैं।

इच्छुक अभ्यर्थियों को 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजे संस्थान परिसर में उपस्थित हो। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी अपने सभी मूल प्रमाणपत्रों के साथ उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां लेकर आएं।

जवाहर बाग में सजेगी डांडिया की शाम नासिक ढोल की थाप पर झूमेगा ब्रज

ब्रज कला चौपाल संस्था कराएगी 18 अक्टूबर को 'ब्रज डांडिया नाइट 2026 का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और समाज को कला-संस्कृति के माध्यम से जोड़ने के उद्देश्य से ब्रज कला चौपाल संस्था द्वारा 18 अक्टूबर को जवाहर बाग ओपन थिएटर में 'ब्रज डांडिया नाइट 2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'गुजरात के रंग, ब्रज के संग' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में नासिक ढोल, गरबा–डांडिया, बॉलीवुड संगीत, ब्रज लोक संस्कृति, विभिन्न प्रतियोगिताएं और आकर्षक पुरस्कार मुख्य आकर्षण रहेंगे। वर्ष 2022 से सक्रिय ब्रज कला चौपाल संस्था की संस्थापिका नम्रता सिंह के नेतृत्व में संस्था कलाकारों को मंच देने, लोक संस्कृति को संरक्षित करने और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह आयोजन भी विभिन्न संस्कृतियों को एक मंच पर लाने का प्रयास है।

कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजकों और सहयोगियों में चरण दयाल अग्रवाल, शेखर अग्रवाल (श्री डिवाइन ग्रुप), शरद अग्रवाल, राजेश यादव, सुनील सोलंकी (ओमैक्स), एम.एस. कंस्ट्रक्शन एवं संचीत कंस्ट्रक्शन (बलवीर सिंह) शामिल हैं। नम्रता सिंह ने बताया कि 18 अक्टूबर को शाम 6 बजे से जवाहर बाग ओपन थिएटर पर यह आयोजन होगा।

सीओ सिटी सहित पुलिस अधिकारियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित मनोरंजन कक्ष में निःशुल्क हड्डी और जोड़ जांच और परामर्श शिविर आयोजित किया गया। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में आयोजित शिविर में फोर्टिस हॉस्पिटल के चिकित्सकों और उनकी टीम ने पुलिस विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में हड्डियों और जोड़ों से संबंधित समस्याओं की जांच कर लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। पुलिसकर्मियों की व्यस्त और चुनौतीपूर्ण ड्यूटी को ध्यान में रखते हुए शिविर का उद्देश्य उन्हें और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा।

पुलिस लाइन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हड्डियों और जोड़ों की जांच कराती सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी।

शिविर में सीओ सिटी आशना चौधरी सहित पुलिस विभाग केअन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। होमगार्ड कमांडेंट समेत पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों ने शिविर में बढ़–चढ़कर भाग लिया और चिकित्सकों से अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर परामर्श प्राप्त किया। इस पहल के माध्यम से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की पहचान और उचित चिकित्सकीय सलाह प्राप्त करने का अवसर मिला।

सामान्य प्रतियोगिता में दिखा विराट ज्ञान

यूनिक समय, फरह। स्मृति महोत्सव में शुक्रवार को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई। आसपास के स्कूलों के 608 विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। सभी ने विराट ज्ञान दिखाया। सामान्य ज्ञान, हिंदी और विज्ञान आदि से जुड़े प्रश्न पूछे गए। शुभारंभ प्रतियोगिता संयोजक ओम प्रकाश शर्मा, प्रधानाचार्य लोकेश्वर प्रताप सिंह, शिक्षक गिर्राज सिंह, डा. संध्या श्रीवास्तव, संजीव यादव, अतुल उपाध्याय, पंकज गोयल, अनिल कुमार शर्मा आदि ने किया। बाल वर्ग में 290 और किशोर वर्ग में 318 परीक्षार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम में वेद प्रकाश, रवीकांत, अमित सिंघल, मुकेश गौड़, शिवकुमार पाठक आदि मौजूद रहे।

रामलीला में ताड़का वध और जनकपुर की शोभा देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

नौहझील के 120वें ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में कलाकारों ने किया मनमोहक मंचन

नौहझील में आयोजित रामलीला के दौरान मंचन करते कलाकार।

यूनिक समय, नौहझील। कस्बे में चल रहे 120वें ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में गुरुवार रात को आदर्श श्री महालक्ष्मी रामलीला संस्थान वृंदावन के कलाकारों ने भगवान श्रीराम की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया। ताड़का वध और जनकपुर की शोभा के प्रसंग देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। शुभारंभ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की आरती के साथ हुआ। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र का राजा दशरथ के दरबार में पहुंचने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। महर्षि ने यज्ञ की रक्षा के लिए राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण को अपने साथ भेजने का आग्रह किया। राजा दशरथ ने दोनों राजकुमारों को उनके साथ विदा किया और ऋषि-मुनियों की रक्षा करने का संदेश दिया। इसके बाद भगवान श्रीराम और लक्ष्मण महर्षि विश्वामित्र के साथ वन की ओर प्रस्थान करते हैं। मार्ग में भगवान श्रीराम ने ताड़का का वध कर ऋषि-मुनियों को राक्षसों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इसके बाद जनकपुर में आयोजित धनुष यज्ञ का प्रसंग दिखाया गया, जहां राजा जनक ने शिव धनुष तोड़ने वाले वीर के साथ सीता के विवाह की घोषणा की थी। मंचन के दौरान दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, उपाध्यक्ष महेश पुरोहित, मंत्री संजय पाठक, महामंत्री मोरध्वज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पन्नालाल गुप्ता सहित समिति के पदाधिकारी और सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने ऊर्जा मंत्री से की वार्ता, बिजली कटौती का मुद्दा उठाया

विद्युत अधिकारियों से वार्ता करते मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन भाजपा।

एसई ने कोसीकलां पहुंचकर अधिकारियों के साथ की बैठक

निर्बाध विद्युत आपूर्ति का दिया आश्वासन

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से परेशान लोगों की समस्या को भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन ने प्रमुखता से उठाया। उन्होंने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से दूरभाष पर वार्ता कर कोसीकलां में बिजली आपूर्ति की स्थिति से अवगत कराया और समस्या के समाधान की मांग की। मंडल अध्यक्ष की पहल के बाद विद्युत विभाग सक्रिय हुआ।

ऊ र्जा मंत्री के निर्देश पर अधीक्षण अभियंता (एसई) सत्यप्रकाश पांडेय कोसीकलां पहुंचे। उन्होंने विद्युत कार्यालय में अधिशासी अभियंता एसपी सिंह, एसडीओ पंकज कुमार और जेई अमोद आनंद के साथ बैठक कर नगर की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन और दीपक बडगूजर ने नगर में हो रही अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा उठाते हुए रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटौती से नगरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में विद्युत व्यवस्था में सुधार कर लोगों को राहत प्रदान की जानी चाहिए। बैठक के दौरान विद्युत अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए अघोषित कटौती पर अंकुश लगाने और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया। अधिकारियों के इस आश्वासन के बाद नगरवासियों को बिजली समस्या से राहत मिलने की

भदावल में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, प्राचीन भद्रवन रामलीला का भव्य शुभारंभ

भदावल में रामलीला का शुभारंभ करते भाजपा नेता देवेंद्र शर्मा।

यूनिक समय, कोसीकलां। छाता क्षेत्र के ग्राम भदावल में प्राचीन भद्रवन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक रामलीला का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता देवेंद्र शर्मा ने फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया। इस दौरान गांव में भक्तिमय माहौल रहा और जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए देवेंद्र शर्मा ने कहा कि भदावल की रामलीला केवल नाट्य मंचन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक पवित्र माध्यम है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा, सत्य, त्याग और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने और उन्हें आगे बढ़ाने में रामलीला कमेटी के युवाओं का योगदान सराहनीय है। ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर ग्राम भदावल की सरदारी ने देवेंद्र शर्मा का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। स्वागत के दौरान जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी कई दिनों तक प्रतिदिन रात्रि में कलाकारों द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी विभिन्न लीलाओं का सजीव मंचन किया जाएगा। ग्रामीणों में रामलीला को लेकर उत्साह देखने को मिला।

दो वृद्धों की मौत के बाद भी नहीं जागा सिस्टम, नवीपुर में आक्रोश

ग्रामीणों का आरोप फैक्ट्रियों की जांच नहीं, जहरीला पानी खेतों में छोड़ने से फसलें बर्बाद

निष्पक्ष जांच और अवैध इकाइयों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हाईवे जाम करने की चेतावनी

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसी-कोटवन औद्योगिक क्षेत्र के गांव नवीपुर में प्रदूषण से दो वृद्धों की मौत के बाद ग्रामीणों में मातम के साथ आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक किसी फैक्ट्री की मौके पर जांच नहीं की और न ही अवैध इकाइयों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की है।

ग्रामीणों के अनुसार, प्रदूषण की समस्या को लेकर वे मुख्यमंत्री के नाम दो ज्ञापन दे चुके हैं। इसके अलावा कई बार शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर समस्या के समाधान की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रात के अंधेरे में फैक्ट्रियों से जहरीले रसायनयुक्त पानी को खेतों और नालों में छोड़ा जाता है। इससे फसलों को नुकसान पहुंच रहा है, ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है।

ग्रामीणों ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कथित अवैध इकाइयां बिना मानकों का पालन किए संचालित हो रही हैं। उनका कहना है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से लोगों का भरोसा कमजोर पड़ रहा है। मामले को लेकर गांव में पंचायतों का दौर जारी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही फैक्ट्रियों की निष्पक्ष जांच कराकर नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे हाईवे जाम करेंगे और जिम्मेदार अधिकारियों का घेराव करेंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

प्रतियोगिता के दौरान रेसिपी तैयार करती प्रतिभागी।

कुकिंग विदाउट फायर और म्यूजिकल चेयर्स का आयोजन

यूनिक समय कोसीकलां। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार को सरायशाही स्थित अग्रवाल धर्मशाला में महिलाओं के लिए कुकिंग विदाउट फायर और म्यूजिकल चेयर्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी बिजेन्द्र मंगला और राहुल मंगला (बिजली वाले) ने महाराजा अग्रसेन के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पहली प्रतियोगिता कुकिंग विदाउट फायर की रही, जिसमें प्रतिभागियों ने बिना गैस और आग के सैंडविच, भेलपुरी, फ्रूट चाट सहित विभिन्न स्वादिष्ट-पौष्टिक व्यंजन तैयार किए। व्यंजनों की साज-सज्जा, स्वाद और पोषण को निर्णायकों ने सराहा। इसके बाद म्यूजिकल चेयर्स प्रतियोगिता आयोजित हुई। संगीत की धुन पर महिलाओं ने खेल का आनंद लिया। चेयर पकड़ने की प्रतिस्पर्धा के दौरान माहौल हंसी-खुशी से सराबोर रहा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि राहुल मंगला ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज को एकता और सहयोग का संदेश दिया। ऐसे आयोजन महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ सामाजिक मेलजोल और आपसी प्रेम को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजय गोयंका, देशबंधु अग्रवाल, कैलाशचंद, संजीव अग्रवाल, मनीया बठैनिया, जगदीश गोयल, सोनू मंगला सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कोसीकलां में ब्राह्मण समाज की बैठक बुलाने पर सहमति

यूनिक समय, कोसीकलां। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की ओर से समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूती को लेकर पहल की जा रही है। इसी क्रम में महासभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष जगदीश सुपानिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आठ बार विधायक रहे पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री पं. श्याम सुंदर शर्मा से उनके आवास पर मुलाकात की। युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसरों से जोड़ने के साथ राजनीतिक रूप से जागरूक करना भी आवश्यक है।

पूर्व मंत्री पं. श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने शिक्षा, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बैठक में तय किया गया कि जल्द ही कोसीकलां में ब्राह्मण समाज की एक बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर यज्ञदत्त शर्मा, पूर्व महामंत्री अशोक शर्मा, पदम शर्मा, वीरा चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से निकली भगवान गणेश की शोभायात्रा, नारद मोह लीला ने मोहा मन

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को रामनगर स्थित प्राचीन तोताराम मंदिर से भगवान गणेश की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष-समाजसेवी वेद प्रकाश गोयल ने परिजनों के साथ विधि–विधान से आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान गणेश की झांकी पर माल्यार्पण कर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर वेद प्रकाश गोयल ने कहा कि प्रथम पूज्य गणेश जी विघ्नहर्ता हैं, जबकि प्रभु राम मर्यादा, त्याग और सत्य के प्रतीक हैं। रामलीला नई पीढ़ी को संस्कार और आदर्शों की सीख देती है। तोताराम मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से

भगवान गणेश के स्वरूप की आरती करते वेद प्रकाश गोयल और उनके परिजन।

होकर गुजरी। बैंड–बाजों की धुन और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। फूलों से सुसज्जित रथ पर विराजमान गणेश जी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

शोभायात्रा के बाद रामलीला मैदान में नारद मोह की लीला का मंचन हुआ। विश्वमोहिनी के स्वयंवर में नारद जी के वानर रूप से जुड़े प्रसंग ने दर्शकों को खूब हंसाया। वहीं, मोहभंग के बाद नारद जी की क्षमायाचना ने वातावरण भक्तिमय कर दिया। लीला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे।

इस दौरान राहुल जैन कामिया, खगेंद्र सिंह बॉबी ठाकुर, गिर्राज चौधरी, हैप्पी गर्ग, प्रिंस वर्मा सहित रामलीला संस्थान के पदाधिकारी-गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दुर्घटना में बाइक सवार घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर करीब पौने दो बजे लापहवाही से बाइक चला रहा युवक आगे चलते वाहान से टकरा कर घायल हो गया।

यमुना एक्सप्रेस वे की चौथी लेन में माइल स्टोन 80+750 के पास बाइक सवार युवक आगे चल रहे अज्ञात वाहन में पीछे से टकरा गया। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस की एंबुलेंस की मदद से घायल को उपचार के लिए मथुरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुविचार

जो अपने सपनों के लिए लड़ता है वही सच्चा विजेता होता है।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी 10:16-09:36 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उ. फाल्गुनी 09:20-09:19 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय	6:16 AM	चन्द्रोदय	04:47 AM
सूर्यास्त	5:57 PM	चंद्रास्त	05:53 PM
सूर्य राशि	कन्या राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM –12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:39 AM: 12:07 PM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दस दिन होगी मां दुर्गा की आराधना

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र का पर्व 11 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। इस बार तिथियों में वृद्धि के कारण नवरात्र दस दिनों तक मनाए जाएंगे। हालांकि, मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का विधान पूर्ववत रहेगा। पंचांग के अनुसार, सप्तमी तिथि दो दिन रहने से नवरात्र की अवधि एक दिन बढ़ गई है। यह पर्व 20 अक्तूबर को नवमी तिथि के बाद विजयादशमी और दशहरा के साथ संपन्न होगा। नवरात्र के

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां भवानी

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 10:04 से

पहले दिन घटस्थापना का विशेष महत्व है। इस वर्ष प्रतिपदा तिथि 10 अक्तूबर की रात 9:19 बजे शुरू होकर 11 अक्तूबर की रात 9:30 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, रविवार को नवरात्र का शुभारंभ होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा का आगमन इस बार हाथी पर होगा।

देवी भागवत पुराण में हाथी पर देवी के आगमन को शुभ माना गया है। हाथी शक्ति, स्थिरता, धैर्य और समृद्धि का प्रतीक है। इसे अच्छी वर्षा, कृषि समृद्धि और सुख–शांति का संकेत भी माना जाता है।

घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त: नवरात्र के प्रथम दिन चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग रहने के कारण घटस्थापना के मुहूर्त का विशेष ध्यान रखना होगा।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पंचांग के अनुसार, 11 अक्तूबर को चित्रा नक्षत्र रात 10:32 बजे तक और वैधृति योग रात 9:05 बजे तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चित्रा नक्षत्र के शुरुआती दो चरणों को छोड़कर अथवा अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना करना श्रेष्ठ माना गया है। घटस्थापना का चौघड़िया मुहूर्त सुबह 10:04 बजे से 11:55 बजे तक रहेगा, जबकि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:32 बजे से दोपहर 12:18 बजे तक है।

किस दिन किस देवी की होगी पूजा: 11 अक्तूबर को मां शैलपुत्री, 12 को मां ब्रह्मचारिणी, 13 को मां चंद्रघंटा, 14 को मां कूष्मांडा, 15 को मां स्कंदमाता और 16 अक्तूबर को मां कात्यायनी की पूजा होगी। 17 अक्तूबर को मां कालरात्रि और 18 अक्तूबर को मां महागौरी की आराधना की जाएगी।

19 अक्तूबर को अष्टमी–नवमी और कन्या पूजन का संयोग बताया गया है। 20 अक्तूबर को नवमी तिथि के बाद विजयादशमी मनाई जाएगी। नवरात्र में भक्त नौ देवियों की आराधना कर सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य की कामना करेंगे।

सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद कराएगा भारत संदेश एप

यूनिक समय, मथुरा। सरकार और जनता के बीच संवाद आसान बनाने के लिए भारत संदेश एप को इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 में प्रदर्शित किया गया। मैसेंजर द्वारा तैयार यह मंच बीएसएनएल के नेटवर्क पर काम करने की जानकारी दी गई है। इसके जरिए सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और उनकी राय सीधे सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। एप में स्थानीय भाषाओं के साथ संदेश, आवाज और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट की सुविधा होने का दावा किया गया है। इससे नागरिक अपनी भाषा में सवालों के जवाब दे सकेंगे और सरकारी योजनाओं पर प्रतिक्रिया साझा कर सकेंगे।

डेटा सुरक्षा पर जोर: भारत संदेश को स्वदेशी डिजिटल मंच के रूप में पेश किया गया है। इसके निर्माताओं का दावा है कि उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत में रहेगा और किसी विदेशी कंपनी का नियंत्रण नहीं होगा। बातचीत की सुरक्षा के लिए एंड–टु–एंड एन्क्रिप्शन की सुविधा होने की बात भी

आईएमसी में पेश स्वदेशी मंच, स्थानीय भाषाओं में मिलेगी सुविधा

कही गई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र तकनीकी पुष्टि और डेटा प्रबंधन की विस्तृत जानकारी अभी सामने आना बाकी है।

डाउनलोड के लिए करना होगा इंतजार: एप को फिलहाल आईएमसी 2026 में प्रदर्शित किया गया है। आम लोगों के लिए इसकी उपलब्धता और डाउनलोड से संबंधित जानकारी अभी नहीं दी गई है।

आईएमसी 2026 में दिखा स्वदेशी तकनीक का दम

यूनिक समय, मथुरा। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 में स्वदेशी तकनीक और नए आविष्कारों का जलवा देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोजन का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट खेती और ड्रोन तकनीक से जुड़े कई उपकरण पेश किए गए। इसके साथ ही 2047 तक 50 स्वदेशी तकनीकी ब्रांड विकसित करने का लक्ष्य भी सामने रखा गया। प्रदर्शनी में टार्चिट का एआई चश्मा आकर्षण का केंद्र रहा। यह दृष्टिबाधित लोगों को सामने मौजूद व्यक्ति, कपड़ों के रंग और आसपास की वस्तुओं की पहचान कर आवाज के जरिए जानकारी देने के लिए तैयार किया गया है। इसके बिना इंटरनेट काम करने का भी दावा किया गया। वहीं, आईई4–मरीन टेक्नोलॉजीज ने बिजली से चलने वाली नावें पेश कीं, जो सेंसर की मदद से पानी के भीतर चट्टानों और मलबे जैसे खतरों की चेतावनी दे सकती हैं। सी–डैक ने वेगा आरआईएससी–वी आधारित स्वदेशी 64–बिट 'विहान' चिप प्रदर्शित की। इसे दूरसंचार नेटवर्क

एक साथ हजारों ड्रोन चलाने की तकनीक

चालक को नींद से जगाने वाला कैमरा और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के समाधान पेश

की सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में अहम पहल बताया गया। यूनिवेक्स ने ऐसा पोर्टेबल नियंत्रक पेश किया, जिससे एक साथ एक हजार से अधिक ड्रोन संचालित करने की क्षमता का दावा किया गया। इसका उपयोग खेती, फसल निगरानी और आपदा राहत में हो सकता है। प्रदर्शनी में चालक की नींद और थकान पहचानने वाला एआई कैमरा तथा बच्चों को हानिकारक ऑनलाइन सामग्री और साइबर उत्पीड़न से बचाने के लिए 'ई–रक्षा' समाधान भी पेश किया गया। आयोजन में नवाचार, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी सुरक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

सर्वपितृ अमावस्या पर पितरों को लगाएं इन सात चीजों का भोग

पितृ पक्ष का समापन 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या पर उन सभी पूर्वजों का श्राद्ध किया जा सकता है, जिनकी मृत्यु तिथि याद नहीं है या किसी कारणवश निर्धारित तिथि पर श्राद्ध नहीं हो पाया है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक श्राद्ध और तर्पण करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। इस अवसर पर पितरों को भोग अर्पित करते समय कुछ विशेष खाद्य पदार्थों को शामिल करना शुभ माना जाता है।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, श्राद्ध की थाली में सबसे पहले खीर को स्थान दिया जाता है। मान्यता है कि गाय के दूध से बनी खीर के बिना पितरों का भोग अधूरा रहता है। इसके साथ चावल अर्पित करना भी शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे पितृ दोष से राहत पाने की कामना की जाती है। श्राद्ध भोज में उड़द की दाल से बने व्यंजन भी शामिल किए जाते हैं। इसके लिए उड़द की दाल, पकौड़े, कचौड़ी या दही बड़े बनाए जा सकते हैं।

श्राद्ध की थाली में सात्विक भोजन का रखें ध्यान

पितरों की पसंद के व्यंजन भी करें शामिल

पितरों के भोग में पूड़ी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। इसके अलावा मौसमी सब्जियां और फल थाली में रखे जा सकते हैं। इस दिन कद्दू की सब्जी बनाने की भी परंपरा है। इन छह चीजों के साथ पितरों की पसंद का भोजन भी अर्पित किया जा सकता है। परिवार में पूर्वजों को पसंद रहे राजमा, छोले, कढ़ी या रबड़ी जैसे व्यंजन भी शामिल किए जा सकते हैं।

श्राद्ध के भोजन को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भोग के लिए तैयार भोजन सात्विक होना चाहिए और उसमें लहसुन–प्याज का प्रयोग नहीं करना चाहिए। श्रद्धालु इस दिन पितरों का स्मरण कर श्रद्धा और भाव से भोजन अर्पित करते हैं।

सम्पादकीय

दवा के नाम पर नशे का खेल यूपी के लिए भी चेतावनी

गुजरात में अवैध दवा कारोबार के खिलाफ हुई कार्रवाई ने एक ऐसे खतरे की ओर ध्यान खींचा है, जो केवल किसी एक राज्य की समस्या नहीं है। वडोदरा और सूरत में दवाओं की अवैध बिक्री, बिना लाइसेंस कारोबार और नशीले घटकों वाली दवाओं के भंडारण का खुलासा बताता है कि दवाओं की आड़ में नशे का कारोबार किस तरह फैल सकता है। सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश में भी दवा कारोबार की ऐसी सख्त निगरानी हो रही है?

गुजरात में चामुंडा फार्मा से कोडीन युक्त खांसी की दवा की 13,938 बोतलें और ट्रामाडोल की 12,240 गोलियां बरामद होना सामान्य दवा अनियमितता का मामला नहीं माना जा सकता। ये ऐसी दवाएं हैं, जिनका दुरुपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। कंपनी का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किया जाना इस बात का संकेत है कि नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई कितनी कठोर हो सकती है।

पवन गौतम
संपादक

सूरत में बिना वैध लाइसेंस इंटरनेट के जरिये दवाएं बेचने और दूसरे मामले में ऑनलाइन मंचों के माध्यम से फर्जी नाम से दवाओं की बिक्री के डिजिटल साक्ष्य मिलना चिंता और बढ़ाता है। अब दवा कारोबार केवल मेडिकल स्टोर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहा। मोबाइल और इंटरनेट ने अवैध बिक्री के लिए नया रास्ता भी खोल दिया है।

उत्तर प्रदेश के लिए यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां आबादी और दवा बाजार का आकार बहुत बड़ा है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक मेडिकल स्टोर और ऑनलाइन दवा आपूर्ति का नेटवर्क फैला हुआ है। ऐसे में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को केवल कागजी लाइसेंस जांच तक सीमित रखने के बजाय दवाओं की खरीद, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन आपूर्ति की भी नियमित निगरानी करनी होगी।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विशेषकर ऐसी दवाओं पर नजर जरूरी है, जिनमें नशीले या नियंत्रित घटक होते हैं। मेडिकल स्टोर पर पंजीकृत फार्मासिस्ट की मौजूदगी, भंडारण की स्थिति और बिक्री के अभिलेखों की जांच भी लगातार होनी चाहिए।

गुजरात की कार्रवाई को केवल एक राज्य की खबर मानकर छोड़ देना ठीक नहीं होगा।

यह यूपी समेत दूसरे राज्यों के लिए भी चेतावनी है। दवा जीवन बचाने का माध्यम है, लेकिन निगरानी कमजोर हो तो वही दवा नशे के बाजार का हथियार बन सकती है। इसलिए सवाल कार्रवाई के बाद उठाने का नहीं, कार्रवाई से पहले निगरानी मजबूत करने का है।

नजरिया

आसमान में भारत की ताकत अब संख्या बढ़ाने की चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय वायु सेना का 94वां स्थापना दिवस केवल गौरवगान का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। 8 अक्टूबर 1932 को अस्तित्व में आई भारतीय वायु सेना ने लगभग नौ दशकों में जिस तरह खुद को बदला है, वह असाधारण यात्रा है। कभी सीमित संसाधनों और छोटे बेड़े से शुरू हुई यह शक्ति आज आधुनिक लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, परिवहन विमानों, हेलीकॉप्टरों, रडार और मानवरहित प्रणालियों के साथ देश की सुरक्षा की महत्वपूर्ण ढाल बन चुकी है।

वायु सेना दिवस पर वाराणसी में होने वाला भव्य फ्लाई–पास्ट केवल आसमान में विमानों का प्रदर्शन नहीं होगा। यह उस क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होगा, जिसके पीछे वर्षों की मेहनत, प्रशिक्षण, तकनीकी विकास और सैनिकों का अनुशासन छिपा है। सुखोई–30 एमकेआई, राफेल, तेजस, मिराज–2000 और जगुआर जैसे विमान भारतीय वायु शक्ति की विविधता बताते हैं। लेकिन किसी भी सैन्य शक्ति का मूल्य केवल हथियारों की चमक से तय नहीं होता। असली कसौटी यह है कि संकट की घड़ी में वह कितनी तेजी से, कितनी सटीकता से और कितनी देर तक कार्रवाई कर सकती है।

यहीं भारतीय वायु सेना की उपलब्धियां महत्वपूर्ण हो जाती हैं। 1948, 1965 और 1971 के युद्धों से लेकर कारगिल और बालाकोट तक, वायु सेना ने बदलते युद्धक्षेत्र के अनुरूप अपनी रणनीति में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में सीमाओं पर बदलते सुरक्षा समीकरणों ने उसकी भूमिका और महत्वपूर्ण कर दी है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालन से लेकर लंबी दूरी की मारक क्षमता तक, वायु शक्ति अब केवल आकाश की रक्षा करने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि जमीन और समुद्र पर होने वाले सैन्य अभियानों की सफलता का भी महत्वपूर्ण आधार है।

लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज करना देशहित में नहीं होगा। आधुनिक विमान होना पर्याप्त नहीं है; पर्याप्त संख्या में आधुनिक विमान होना जरूरी है। भारतीय वायु सेना के लिए स्वीकृत 42 लड़ाकू स्क्वाड्रनों की तुलना में मौजूदा संख्या कम है। पुराने मिग–21, मिग–29, मिराज–2000 और जगुआर जैसे विमानों के धीरे–धीरे सेवा से बाहर होने के बीच नए विमानों की आपूर्ति की गति बड़ी चुनौती बन रही है। सैन्य शक्ति में तकनीक महत्वपूर्ण है, लेकिन संख्या का अपना महत्व है। यही वजह है कि तेजस मार्क–1ए, तेजस मार्क–2 और भविष्य के एएमसीए जैसे स्वदेशी कार्यक्रम केवल रक्षा परियोजनाएं नहीं हैं। ये भारत की दीर्घकालिक सामरिक स्वतंत्रता से जुड़े अभियान हैं। यदि देश को आने वाले दशकों में अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कम करनी है, तो लड़ाकू विमान, इंजन, रडार, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों के निर्माण में आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी।

सुखोई और राफेल जैसे विमानों की क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन युद्ध केवल लड़ाकू विमान से नहीं जीता जाता। हवा में ईंधन भरने वाले विमान, हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली, लंबी दूरी की मिसाइलें, मजबूत रडार नेटवर्क और मानवरहित लड़ाकू प्रणालियां किसी भी वायु सेना की वास्तविक क्षमता को कई गुना बढ़ाती हैं। इसलिए इन्हें सैन्य भाषा में 'फोर्स मल्टीप्लायर' कहा जाता है। भारत को इन क्षेत्रों में भी अपनी क्षमता तेजी से बढ़ानी होगी।

चीन की सैन्य तकनीक और बुनियादी ढांचे में तेजी से हो रहा विस्तार भारत के लिए गंभीर संकेत है। अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानवरहित प्रणालियां, अंतरिक्ष आधारित निगरानी और स्टील्थ तकनीक भविष्य के युद्ध का चेहरा बदल रही हैं। आने वाला युद्ध केवल आसमान में उड़ते विमानों का मुकाबला नहीं होगा। यह सेंसर, आंकड़ों, साइबर क्षमता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालित प्रणालियों की भी लड़ाई होगी।

इसलिए भारतीय वायु सेना के सामने चुनौती दोहरी है– आज की सीमाओं की रक्षा करना और कल के युद्ध के लिए तैयार रहना। पायलटों की शानदार ट्रेनिंग और सैनिकों का मनोबल देश की बड़ी ताकत है, लेकिन तकनीकी बढ़त को लगातार बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

वायु सेना दिवस पर देश को अपने वायु योद्धाओं पर गर्व होना स्वाभाविक है। लेकिन सच्चा सम्मान केवल परेड और फ्लाई–पास्ट तक सीमित नहीं होना चाहिए। सैनिकों को आधुनिक उपकरण, पर्याप्त संख्या में विमान, बेहतर आधारभूत ढांचा और समय पर संसाधन उपलब्ध कराना भी उतना ही जरूरी है। आसमान में भारत का परचम तभी लगातार ऊंचा रहेगा, जब साहस के साथ तैयारी भी मजबूत होगी। भारतीय वायु सेना ने बीते 94 वर्षों में अपनी क्षमता साबित की है। अब अगली मंजिल केवल दुनिया की शक्तिशाली वायु सेनाओं में बने रहना नहीं, बल्कि तकनीक, संख्या, स्वदेशी उत्पादन और रणनीतिक तैयारी के हर मोर्चे पर भविष्य के लिए तैयार होना है। आसमान में उड़ते लड़ाकू विमान देश का गौरव जरूर हैं, लेकिन उनके पीछे खड़ी तैयारी ही भारत की असली वायु शक्ति है।

विचार विंडो

यूपी में कांग्रेस ने बदली सियासी चाल, नई बिसात

राम प्रकाश शर्मा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ दलों ने अपनी रणनीतिक बिसात बिछानी शुरू कर दी है। कांग्रेस का हालिया संगठनात्मक बदलाव इसी बड़े राजनीतिक पुनर्संयोजन का संकेत माना जा सकता है। पार्टी ने तीन बार की रामपुर खास विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया है। उनके साथ सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष तथा देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

यह बदलाव केवल चेहरों की अदला–बदली नहीं है। इसमें कांग्रेस की उस रणनीति की झलक दिखाई देती है, जिसमें वह अपने पुराने सामाजिक आधार को नए राजनीतिक समीकरणों के साथ जोड़ना चाहती है। आराधना मिश्रा की नियुक्ति को ब्राह्मण समाज तक पहुंच बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जबकि इमरान मसूद को महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी देकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के बीच पार्टी की मौजूदगी मजबूत करने का संकेत दिया गया है। देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को जिम्मेदारी देकर पिछड़े और दलित वर्गों तक सामाजिक प्रतिनिधित्व का विस्तार करने की कोशिश भी दिखाई देती है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह जिन सामाजिक वर्गों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है, वे केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व से उसके साथ लौटेंगे या नहीं। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से भाजपा और समाजवादी पार्टी ने अपने–अपने सामाजिक गठजोड़ को मजबूत किया है। ऐसे में कांग्रेस के लिए किसी एक जाति या समुदाय को साध लेना पर्याप्त नहीं होगा। उसे बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करना होगा, स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय करना होगा और मतदाताओं के बीच अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता फिर से स्थापित करनी होगी। आराधना मिश्रा की नियुक्ति के पीछे एक और संदेश है–कांग्रेस अपने पारंपरिक नेतृत्व और नए सामाजिक विस्तार के बीच संतुलन बनाना चाहती है। वह महिला नेतृत्व को भी आगे बढ़ा रही है। आराधना मिश्रा पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता थीं और अब प्रदेश संगठन की कमान संभाल रही हैं। लेकिन कांग्रेस के लिए केवल जातीय समीकरणों की गणित काफी नहीं होगी। राजनीति में सामाजिक समीकरण तभी वोट में बदलते हैं, जब उनके पीछे मजबूत संगठन, विश्वसनीय स्थानीय चेहरे और लगातार जनसंपर्क मौजूद हो। यही वह क्षेत्र है जहां कांग्रेस को अभी लंबी दूरी तय करनी है।

कांग्रेस की दूसरी बड़ी चुनौती समाजवादी पार्टी के साथ संबंधों की है। 2027 का चुनाव यदि गठबंधन के साथ लड़ा जाता है तो सीटों के बंटवारे से लेकर चुनावी संदेश तक दोनों दलों के बीच तालमेल निर्णायक होगा। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने की बात कही गई है। आराधना मिश्रा ने भी पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि पार्टी 2027 के चुनाव के लिए तैयार है और विपक्षी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेगी।

यहीं कांग्रेस के सामने एक पेचीदा सवाल भी है। यदि पार्टी गठबंधन में रहती है तो उसे सहयोगी दल की ताकत का लाभ मिलेगा, लेकिन उसे अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जमीन भी तैयार करनी होगी। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में केवल कुछ सीटों पर चुनाव लड़कर कांग्रेस दीर्घकालीन विस्तार नहीं कर सकती। उसे गांव, कस्बे, शहर और विश्वविद्यालय से लेकर सामाजिक संगठनों तक अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी।

कांग्रेस की नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक विविधता दिखाई देती है। इसे रणनीतिक संतुलन के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इसका वास्तविक मूल्यांकन चुनावी मैदान में ही होगा। संगठन की नई जिम्मेदारियों को संभालने वाले नेताओं को अब यह साबित करना होगा कि वे केवल चुनावी समीकरणों के चेहरे नहीं, बल्कि जमीन पर संगठन खड़ा करने वाले नेतृत्वकर्ता भी हैं।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा के सामने विपक्ष के पास चुनौती बड़ी है। भाजपा का अपना मजबूत संगठन और व्यापक सामाजिक आधार है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व के मुद्दे को अपनी राजनीति के केंद्र में रखती रही है। कांग्रेस यदि इस बीच अपनी अलग पहचान बनाना चाहती है तो उसे केवल अतीत की राजनीति की ओर लौटने के बजाय वर्तमान के मतदाता की अपेक्षाओं को समझना होगा।

जसप्रीत बुमराह की कमी भुवनेश्वर कुमार की एंट्री

4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी की वजह आई सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने करीब चार साल बाद टी20 इंटरनेशनल टीम में वापसी की है उनकी वापसी के पीछे जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी और टीम के गेंदबाजी संयोजन से जुड़ी रणनीति को अहम वजह माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे भुवनेश्वर को टी20 टीम में दोबारा मौका मिलने के पीछे की वजह सामने आई है। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच सितांशु कोटक ने इस फैसले को लेकर अहम जानकारी दी है। भुवनेश्वर अपनी स्विंग गेंदबाजी और नई गेंद से विकेट निकालने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के प्रमुख गेंदबाज हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम को ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की जरूरत महसूस हो सकती है, जो शुरुआती ओवरों में विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बना सके। भुवनेश्वर इस भूमिका में पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने की क्षमता टी20 क्रिकेट में भारत के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नवंबर 2022 में खेला था। इसके बाद उन्हें लंबे समय तक टीम में जगह नहीं मिली। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और अनुभव ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। टी20 क्रिकेट में केवल तेज गति ही नहीं, बल्कि लाइन-लेंथ, स्विंग और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने की क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है। भुवनेश्वर इन खूबियों के दम पर टीम को मजबूती दे सकते हैं। उनकी वापसी से भारतीय तेज गेंदबाजी के विकल्प बढ़ेंगे और टीम को अनुभव का फायदा मिल सकता है। अब देखना होगा कि भुवनेश्वर इस मौके का कितना फायदा उठाते हैं और टीम में अपनी जगह कितनी मजबूत कर पाते हैं।

भारतीय पहलवानों का वर्ल्ड चैंपियनशिप में अमेरिकी वीजा खारिज

पहलवानों के लिए विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेना मुश्किल हो सकता है

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के लास वेगास में 12 से 18 अक्टूबर तक होने वाली अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों की भागीदारी पर संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी दूतावास ने नौ पहलवानों के वीजा आवेदन खारिज कर दिए हैं। इनमें पूर्व अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियन नेहा सांगवान का नाम भी शामिल है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने इस फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। भारतीय कुश्ती के लिए एक चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। अमेरिका में आयोजित होने वाली आगामी अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों का हिस्सा लेना मुश्किल हो सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों ने अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन नौ पहलवानों के आवेदन खारिज कर दिए गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब प्रतियोगिता शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वीजा के लिए आवेदन करने वाले पहलवानों को 7 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। इंटरव्यू के बाद नौ खिलाड़ियों को वीजा देने से इनकार कर दिया गया। बताया गया कि उनकी कम उम्र और रोजगार की स्थिति को आवेदन खारिज करने की वजह बताया गया। हालांकि, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने इस फैसले पर चिंता जताते हुए दूतावास से दोबारा विचार करने का अनुरोध किया है।

'नटसम्राट' के श्राप से डर गए थे नाना पाटेकर

नाना पाटेकर ने मराठी नाटक 'नटसम्राट'

उससे जुड़े कलाकारों की मौत को लेकर हैरान करने वाली बात कही

यूनिक समय, नई दिल्ली। का सालों पुराना बयान चर्चा में है, जिसमें उन्होंने थी। इस नाटक में काम करने वाले कलाकारों की मौत की घटनाओं ने उन्हें भी सोचने पर मजबूर कर दिया था। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों उनका एक पुराना वीडियो चर्चा में है, जिसमें उन्होंने मराठी रंगमंच के मशहूर नाटक 'नटसम्राट' और उससे जुड़ी एक अजीब संयोग जैसी घटना का जिक्र किया था। नाना की यह बात अब एक बार फिर लोगों का ध्यान खींच रही है। 'नटसम्राट' मराठी थिएटर के सबसे चर्चित नाटकों में गिना जाता है। इस नाटक की कहानी एक ऐसे बुजुर्ग रंगमंच कलाकार के जीवन पर आधारित है, जो अपने जीवन के आखिरी दौर में परिवार और रिश्तों से जुड़ी परेशानियों का सामना करता है। इस किरदार को निभाना किसी भी अभिनेता के लिए बड़ी चुनौती माना जाता है। नाना पाटेकर ने अपने पुराने बयान में बताया था कि इस नाटक में मुख्य भूमिका निभाने वाले कई कलाकारों की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। इस तरह की घटनाओं को संयोग के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। नाना पाटेकर का यह पुराना बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके प्रशंसक उनके अनुभव और मराठी रंगमंच से जुड़े इस किस्से पर चर्चा कर रहे हैं। 'नटसम्राट' आज भी अपनी प्रभावशाली कहानी और भावनात्मक प्रस्तुति के लिए याद किया जाता है।

'दृश्यम 3' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, 7 दिन में कमाए 383 करोड़

अजय देवगन की फिल्म ने दुनियाभर में मचाया तहलका

सातवें दिन भी शानदार कमाई कर बनाया नया रिकॉर्ड

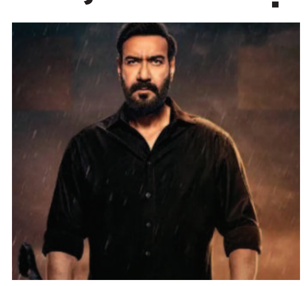

यूनिक समय, नई दिल्ली। अजय देवगन की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' सिनेमाघरों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। रिलीज के एक सप्ताह बाद भी फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा कायम है। भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 245.50 करोड़ रु पये पहुंच गया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कमाई 383.60 करोड़ रु पये हो चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 62 करोड़ रुपये की कमाई के साथ धमाकेदार शुरुआत की थी। दूसरे दिन इसने 53.50 करोड़ और तीसरे दिन 61 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके बाद चौथे दिन फिल्म ने 21 करोड़, पांचवें दिन 19.50 करोड़ और छठे दिन 15.50 करोड़ रुपये कमाए। सातवें दिन यानी गुरुवार को फिल्म का कलेक्शन 13 करोड़ रुपये रहा। कमाई में गिरावट के बावजूद फिल्म ने पहले सप्ताह में मजबूत प्रदर्शन किया है। फिल्म का भारत में ग्रॉस कलेक्शन 294.60 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, विदेशी बाजारों में सातवें दिन लगभग 4 करोड़ रुपये की कमाई के साथ इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 89 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। भारत और विदेशों की कमाई मिलाकर फिल्म ने 383.60 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। 'दृश्यम 3' अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों में शामिल है। अब दर्शकों की नजरें दूसरे वीकेंड पर टिकी हैं, जहां फिल्म की कमाई में फिर उछाल आने की उम्मीद है।

सूर्यास्त के बाद क्यों हुआ नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार? बेटे मल्हार ने बताई वजह

गोवा से पुणे स्थित फार्महाउस पहुंचने में हुई देरी

बेटे ने पिता को बताया अमर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से हिंदी और मराठी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाले नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार पुणे स्थित उनके फार्महाउस पर किया गया। हालांकि, सूर्यास्त के बाद अंतिम संस्कार होने को लेकर कई लोगों के मन में सवाल उठे। अब उनके बेटे मल्हार पाटेकर ने इसकी वजह बताई है। मल्हार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि परिवार उस समय गोवा में था और पिता के पार्थिव शरीर को पुणे स्थित फार्महाउस तक लाना था। परिवार को उम्मीद थी कि वे जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन यात्रा में अधिक समय लग गया। नाना पाटेकर का निधन सुबह हुआ था और तब तक काफी समय बीत चुका था। पार्थिव शरीर को अधिक देर तक रखना उचित नहीं था, इसलिए परिवार ने सूर्यास्त के बाद ही अंतिम संस्कार करने का फैसला लिया। पिता को याद करते हुए मल्हार भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि नाना जैसे लोग अपने काम के जरिए हमेशा जीवित रहते हैं और वे अमर होते हैं। उनके पिता ने हमेशा मानवता के लिए एकजुट होकर काम करने और दुनिया की भलाई के बारे में सोचने की सीख दी थी। मल्हार ने बताया कि परिवार महाराष्ट्र से लेकर देश के अन्य हिस्सों तक शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक कार्य कर रहा है। नाना पाटेकर ने अपने जीवन में ही योग्य लोगों को जिम्मेदारियां सौंप दी थीं, ताकि उनके काम आगे भी जारी रहें। उनके निधन से प्रशंसकों और फिल्म जगत ने एक बेहतरीन कलाकार खो दिया है।

सीएम थलपति विजय ने एशियन गेम्स के मेडल विजेताओं पर बरसाए लाखों

एशियन गेम्स 2026 में पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सरकार की ओर से खिलाड़ियों को लाखों रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, जिन्हें थलपति विजय के नाम से भी जाना जाता है, ने राज्य के खिलाड़ियों के लिए बड़ी घोषणा की है। एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले पदक विजेताओं को सरकार की ओर से नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इस फैसले से खिलाड़ियों और खेल जगत में उत्साह का माहौल है। मुख्यमंत्री का मानना है कि खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों को उचित सम्मान मिलना चाहिए, ताकि युवा भी खेलों में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित हों। एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए पदक जीते। इन उपलब्धियों में क्रिकेट का प्रदर्शन भी खास रहा। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया। पुरुष टीम ने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। ऐसे में क्रिकेट खिलाड़ियों को मिलने वाला सम्मान भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मुख्यमंत्री विजय की इस पहल को राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। नकद पुरस्कार से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता मिलेगी और उन्हें अपनी ट्रेनिंग, फिटनेस तथा खेल से जुड़ी दूसरी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, अलग-अलग पदकों के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि और क्रिकेट खिलाड़ियों को मिलने वाली व्यक्तिगत रकम का स्पष्ट विवरण आधिकारिक घोषणा के आधार पर ही तय होगा। इस घोषणा के जरिए मुख्यमंत्री विजय ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सम्मान देने और खेलों को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है।

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ सीरीज से पहले डबल झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के दो खिलाड़ी मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोटिल होने के कारण पूरी टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया गया है। सीरीज का पहला मुकाबला 22 अक्टूबर को खेला जाएगा। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी-20 लीग में खेलते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि वह भारत के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने तक फिट हो सकते हैं। वहीं, जैक फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लगी थी। फिलहाल उनके मैदान पर वापसी करने को लेकर कोई निश्चित जानकारी नहीं है। न्यूजीलैंड के हेड कोच वॉल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के चोटिल होने पर निराशा जताई और उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद की। अब दोनों टीमें आगामी सीरीज में आमने-सामने होंगी।

पहला और दूसरा मुकाबला 22 और 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में होगा। तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन, चौथा 30 अक्टूबर को ऑकलैंड और पांचवां मुकाबला 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की कप्तानी मिचेल सैंटनर करेंगे।

लखनऊ में दोहरा हत्याकांड

होमगार्ड ने पत्नी और शादीशुदा बेटी की गला कसकर की हत्या

फिर खुद पुलिस को दी सूचना

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर क्षेत्र के भोला खेड़ा में शुक्रवार तड़के हुई वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी होमगार्ड को हिरासत में लेकर दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। हत्या के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार तड़के एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां एक होमगार्ड ने अपनी पत्नी और शादीशुदा बेटी की कथित तौर पर गला कसकर हत्या कर दी। घटना कृष्णानगर कोतवाली क्षेत्र के भोला खेड़ा की है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद ही पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया और दोनों महिलाओं के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। कृष्णानगर इंस्पेक्टर पीके सिंह के मुताबिक, भोला खेड़ा निवासी रविंद्र शंकर होमगार्ड के पद पर तैनात है। वह अपनी पत्नी श्यामदुलारी (55) और दो बेटियों पूजा (32) व प्रिया के साथ रहता था। इनमें पूजा शादीशुदा थी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार तड़के रविंद्र शंकर ने खुद फोन करके सूचना दी कि उसने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर आरोपी ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या जैसा खौफनाक कदम क्यों उठाया। पारिवारिक विवाद समेत घटना से जुड़े अन्य संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि वारदात की परिस्थितियों और उसके पीछे की वजह स्पष्ट हो सके। फिलहाल हत्या के कारणों को लेकर कोई अंतिम जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांशीराम ने बहुजन समाज को शोषित से शासक बनाया: मायावती

परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ में रैली का आयोजन

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम के 20वें परिनिर्वाण दिवस पर पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मायावती ने कहा कि कांशीराम ने सदियों से शोषित और पिछड़े बहुजन समाज को वोट की ताकत के माध्यम से सत्ता की मास्टर चाबी सौंपने और उसे शासक वर्ग बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया। मायावती शुक्रवार को मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी, जबकि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। मायावती ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कांशीराम ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। महात्मा ज्योतिबा फुले, श्री नारायणा गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज और डॉ. आंबेडकर जैसे महापुरुषों के समतावादी विचारों को जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा शासन में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में कानून का राज स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। उनके मुताबिक, जनहित और विकास के कार्यों के साथ पारदर्शी एवं जनकल्याणकारी सरकार देना ही कांशीराम को सच्ची श्रद्धांजलि है। परिनिर्वाण दिवस पर बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराया।

कानपुर में बंदूक की नोक पर छह साल के बच्चे का अपहरण

छतरपुर से दो गाड़ियों में आए आरोपियों ने स्कूल के सामने दिया वारदात को अंजाम।

यूनिक समय, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में शुक्रवार को दिनदहाड़े छह साल के बच्चे का बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया। घटना गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-दो की है, जहां दो गाड़ियों में सवार होकर आए आरोपियों ने बच्चे के पिता के साथ मारपीट की और मासूम हर्षित को जबरन अपने साथ ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एक आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, जरौली निवासी कुलदीप श्रीवास्तव का अपनी पत्नी माधुरी से काफी समय से विवाद चल रहा है। दोनों के बीच छह वर्षीय बेटे हर्षित की कस्टडी को लेकर मामला अदालत में पहुंचा था। बताया गया है कि कोर्ट ने बच्चे की कस्टडी कानूनी तौर पर पिता कुलदीप को दी हुई है। शुक्रवार को कुलदीप अपने बेटे को जरौली फेज-दो स्थित सरदार पटेल एकेडमी स्कूल छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान छतरपुर से दो चार पहिया गाड़ियों में आए लोगों ने स्कूल के सामने उनकी गाड़ी को घेर लिया। कुलदीप का आरोप है कि गाड़ियों से उतरे लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की और लात-घूंसों से जमकर मारपीट की।

इसके बाद आरोपियों ने बंदूक तानकर बच्चे को जबरन अपने कब्जे में लिया और गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और एक आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस बच्चे की बरामदगी और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

आगरा में प्रेमिका को गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या, दोस्त भी था साथ

दोस्त को अरुण के इरादों की जानकारी नहीं थी

घायल छात्रा का दिल्ली में इलाज चल रहा है

यूनिक समय, आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में बीएससी की छात्रा को गोली मारकर आत्महत्या करने वाले टोलकर्मी अरुण सिनसिनवार के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि बुधवार को रोहता स्थित निर्माणाधीन सफायर कॉलोनी में हुई वारदात के समय अरुण अकेला नहीं था, बल्कि अपने एक दोस्त के साथ वहां पहुंचा था। सीसीटीवी फुटेज में दोनों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि दोस्त को अरुण के इरादों के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, मलपुरा क्षेत्र के इटौरा निवासी अरुण सिनसिनवार सैंया टोल पर काम करता था। बुधवार दोपहर वह अपने दोस्त के साथ अलग-अलग बाइक से सफायर कॉलोनी पहुंचा। सीसीटीवी फुटेज में अरुण को आगे और उसके पीछे दोस्त को बाइक से आते देखा गया। इसी दौरान छात्रा अपनी बहन के साथ स्कूटी से वहां पहुंची। आरोप है कि कॉलोनी के गेट पर अरुण ने तमंचे से छात्रा की गर्दन में गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। गोली लगने से घायल छात्रा को गंभीर हालत में दिल्ली रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर अरुण का दोस्त घबरा गया और वहां से चला गया। छात्रा की बहन ने अपने भाई को फोन कर बुलाया, जिसके बाद घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल से तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। अरुण के भाई ने मामले में साजिश का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस ने बताया कि जांच में फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हुई है। एसीपी सदर अमीषा सिंह ने बताया कि छात्रा के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। छात्रा के होश में आने के बाद उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद अरुण का अंतिम संस्कार पुलिस की मौजूदगी में कराया गया।

योगी कैबिनेट का फैसला: यूपी के 18 शहरों में चलेंगी 1,725 एसी इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊऔर कानपुर को मिलेंगी 300-300 बसें

12 साल का होगा अनुबंध

यूनिक समय, कानपुर। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश की नगरीय परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के 18 शहरों में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर 1,725 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। बसों के संचालन के लिए अनुबंध की अवधि 12 वर्ष निर्धारित की गई है। योजना के तहत लखनऊऔर कानपुर में 300-300, वाराणसी में 250, गोरखपुर में 150 तथा आगरा, गाजियाबाद, मेरठ और नोएडा (जेवर सहित) में 100-100 बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा अयोध्या और मथुरा-वृंदावन में 50-50, प्रयागराज में 50 तथा अलीगढ़, फिरोजाबाद, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, शाहजहांपुर और झांसी में 25-25 बसें संचालित की जाएंगी। इन बसों में 9 मीटर और 12 मीटर लंबाई की वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें शामिल होंगी। सरकार निर्धारित प्रदर्शन मानकों के आधार पर ऑपरेटरों को भुगतान करेगी और यात्रियों से लिए जाने वाले किराये का निर्धारण भी सरकार ही करेगी। योजना के तहत 12 मीटर लंबी प्रत्येक इलेक्ट्रिक बस की खरीद पर 40 लाख रुपये और 9 मीटर लंबी बस पर 35 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। बसों के लिए डिपो निर्माण हेतु संबंधित नगर निगमों और नोएडा प्राधिकरण की ओर से आवश्यकतानुसार जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि निजी निवेश से सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी, सरकारी खर्च का बोझ कम होगा और यात्रियों को सुविधाजनक सफर के साथ पर्यावरण प्रदूषण घटाने में भी मदद मिलेगी।

नोएडा एयरपोर्ट का नाम होगा 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक के बाद किया ऐलान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और प्रधानमंत्री के बीच विशेष आत्मीय संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के जरिए करीब 500 वर्षों का इंतजार समाप्त होने, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण और विदेश से मां अन्नपूर्णा की मूर्ति वापस लाकर पुनः स्थापित कराने का भी उल्लेख किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में विकास की नई संभावनाएं पैदा हुई हैं और प्रदेश सरकार उनके योगदान की सराहना करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में राज्य तेजी से आगे बढ़ा है। प्रदेश में एक्सप्रेसवे, हाईवे, मेट्रो और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का विस्तार हुआ है। जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण और हवाई सेवाओं के विस्तार से प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर परिवहन सुविधाओं के कारण उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क जैसी परियोजनाएं औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रही हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में उन्होंने बताया कि प्रदेश में 6.08 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास जारी है।

लखनऊ में शराब पार्टी के दौरान विवाद, दोस्त ने की पेंटर की हत्या

लोहे की रॉड, डंडे और ईंट से सिर पर किए ताबड़तोड़ वार

कमरे के बाहर खून से लथपथ मिला शव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊके कृष्णानगर क्षेत्र में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक पेंटर की हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके दोस्त ने लोहे की रॉड, डंडे और ईंट से सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह उसका शव कमरे के बाहर खून से लथपथ हालत में मिला। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 28 वर्षीय सुखपाल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से हरदोई जिले के टड़ियावां क्षेत्र के बहुठा गांव का निवासी था और कृष्णानगर के कनौसी इलाके में गोलू पाल के प्लॉट पर बने कमरे में किराये पर रहता था। बृहस्पतिवार देर रात सुखपाल अपने पड़ोस में रहने वाले उन्नाव निवासी राजेश रावत उर्फ काली के साथ कमरे में शराब पी रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर राजेश ने सुखपाल के सिर पर रॉड और ईंट से कई वार किए। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह शव देखकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। कृष्णानगर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और साक्ष्य जुटाए। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

सीजेआई की सरकार को फटकार, बोले मक्खी मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं

सीजेपी के प्रदर्शन से पहले दिल्ली में सुरक्षा सख्त

57 मेट्रो स्टेशन बंद और कई ट्रेनें रद्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती को लेकर सरकार को फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि किसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उतनी ही कार्रवाई की जानी चाहिए, जितनी जरूरी हो। उन्होंने टिप्पणी की कि मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के नाम पर आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेट्रो की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। अधिकारियों को सुरक्षा बनाए रखते हुए मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को नियंत्रित करने के विकल्प तलाशने चाहिए। अदालत ने यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश अखबारों और वेबसाइटों पर प्रकाशित करने को भी कहा। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में बड़े पैमाने पर सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार रात नौ बजे से 57 मेट्रो स्टेशन बंद रखने की योजना है। वहीं, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन आने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भी दिल्ली जाने वाली 13 ट्रेनों को दो दिनों के लिए रद्द करने की जानकारी दी है। दिल्ली-हरियाणा और दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। टिकरी, बदरपुर, कापसहेड़ा और सिंघु बॉर्डर पर वाहनों की जांच की जा रही है।

प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली जा रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक बलवीर वाल्मीकि को पानीपत में पुलिस ने हिरासत में लिया। सुरक्षा व्यवस्था के चलते दिल्ली के कई स्कूलों और कॉलेजों ने 10 अक्टूबर की कक्षाएं ऑनलाइन करने, परीक्षाएं स्थगित करने और अभिभावक-शिक्षक बैठक का समय बदलने का फैसला किया है। इस बीच, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने परिवार के साथ प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा की है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद अब सुरक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन को लेकर प्रशासन के अगले कदम पर नजर रहेगी।

वेंस ने एच-1बी वीजा कर्मचारियों को बताया 'बंधुआ मजदूर', भारत ने दिया करारा जवाब

अमेरिका में एच-1बी वीजा पाने वालों में 71% भारतीय

भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में निभा रहे अहम भूमिका।

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा पर काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को 'बंधुआ मजदूर' बताया है। उनके इस बयान पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। भारतीय पेशेवरों का योगदान भारत और अमेरिका, दोनों देशों के लिए फायदेमंद है। अमेरिका में एच-1बी वीजा पाने वालों में लगभग 71 प्रतिशत भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के बजाय अमेरिकी नागरिकों को नौकरी देनी चाहिए। उनके मुताबिक, पिछले एक साल में माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि इसी दौरान कंपनी को 6,300 एच-1बी वीजा और लगभग 3,000 ग्रीन कार्ड का लाभ मिला। ग्रीन कार्ड की पीईआरएम प्रक्रिया के तहत कंपनियों को यह साबित करना होता है कि संबंधित पद के लिए योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं था। इनमें इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल, कॉग्निजेंट, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी और कैपजेमिनी शामिल हैं। इस फैसले से संबंधित कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में देरी हो सकती है, हालांकि पहले से जारी एच-1बी वीजा अपने आप रद्द नहीं होते।

मेरठ में इंसान क्यों बन गए बंदर, डीएम कार्यालय पहुंचकर जताया विरोध

बंदरों के आतंक से परेशान लोगों ने अनोखे अंदाज में किया प्रदर्शन

प्रशासन से समस्या का समाधान कराने की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान लोगों ने विरोध जताने का अनोखा तरीका अपनाया। कुछ लोग बंदर का मुखौटा पहनकर सड़क पर उतर आए और जिलाधिकारी के पास पहुंचकर अपनी समस्या बताई। इस प्रदर्शन के जरिए लोगों ने प्रशासन का ध्यान बंदरों के कारण होने वाली परेशानियों की ओर खींचने की कोशिश की। प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो चर्चा का विषय बन गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में बंदरों की बढ़ती संख्या के कारण आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बंदर घरों में घुसकर सामान उठा ले जाते हैं और खाने-पीने की चीजों को नुकसान पहुंचाते हैं। कई बार लोगों को बंदरों के हमले का भी डर बना रहता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों के लिए यह समस्या चिंता का विषय है। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी से बंदरों के आतंक पर नियंत्रण लगाने और लोगों को राहत दिलाने की मांग की। इस घटना ने शहर में बंदरों से जुड़ी समस्या को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। अब लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उचित कदम उठाएगा, ताकि आम नागरिकों को रोजमर्रा की परेशानियों से राहत मिल सके।

नावी पिल्लई को मिला 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार, ट्रंप को फिर निराशा

भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सम्मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद नवनथम 'नावी' पिल्लई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष जोर्गेन वाट्ने फ्राइडनेस ने पुरस्कार का ऐलान किया। समिति के मुताबिक, पिल्लई को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। वह वर्ष 2008 से 2014 तक संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त रह चुकी हैं और मानवाधिकारों के क्षेत्र में अहम योगदान दे चुकी हैं। इस घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। ट्रंप लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा जाहिर करते रहे हैं। उनका दावा है कि उन्होंने कई देशों के बीच संघर्ष खत्म कराने और युद्ध रोकने में भूमिका निभाई है। उन्होंने आठ संघर्षों को सुलझाने का दावा करते हुए खुद को इस सम्मान का हकदार बताया था। ट्रंप ने इजरायल-हमास युद्ध सहित विभिन्न संघर्षों का जिक्र किया था। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने और यूक्रेन में रूस के युद्ध को समाप्त कराने के लिए अमेरिकी प्रयासों का भी हवाला दिया था। पुरस्कार की घोषणा से पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्हें नहीं पता कि समिति क्या फैसला करेगी, लेकिन उन्होंने अपने कामों को महत्वपूर्ण बताया। हालांकि, इस बार भी पुरस्कार उनके बजाय नावी पिल्लई को दिया गया है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे, ट्रंप की बढ़ी चिंता

2024 में 65% भारतीय मूल के मतदाताओं ने कमला हैरिस का समर्थन किया था

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव से पहले वोटर लिस्ट से करीब 2 लाख भारतीय मूल के मतदाताओं के नाम हटाए जाने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी मतदाता हैं और 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव में इनका रुझान अहम माना जा रहा है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में लगभग 65 प्रतिशत भारतीय मूल के मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वोटर लिस्ट की जांच का उद्देश्य अयोग्य मतदाताओं के नाम हटाना और चुनाव प्रक्रिया को सुरक्षित बनाना है। इसी सिलसिले में ट्रंप 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। इस प्रस्ताव के तहत मतदाता पंजीकरण के दौरान अमेरिकी नागरिकता साबित करने के लिए पासपोर्ट या जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज दिखाने की जरूरत होगी। डेमोक्रेटिक नेताओं ने आरोप लगाया है कि इन उपायों से चुनाव प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के ट्रंप के दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं। सर्वे के मुताबिक, केवल 30 प्रतिशत अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार से संसद में ट्रंप के लिए कानून पारित कराना मुश्किल हो सकता है।

उपचुनाव में बंगाल की रेजीनगर सीट पर भाजपा की जीत, नंदीग्राम में भी बढ़त

तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम सीटों पर टीवीके आगे

असम के नगांव में भाजपा का दबदबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। चार राज्यों की छह सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना में भाजपा और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) का प्रदर्शन चर्चा में है। पश्चिम बंगाल की रेजीनगर सीट पर भाजपा उम्मीदवार सखावत सरकार ने 75,661 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं, नंदीग्राम सीट पर भाजपा उम्मीदवार हसीरानी रथ ने कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान के खिलाफ एक लाख से ज्यादा वोटों की बढ़त बना ली। मतगणना के दौरान सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, हसीरानी रथ को 1,43,656 वोट मिले, जबकि मिलन प्रधान को 37,787 वोट हासिल हुए। इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के नामांकन वापस लेने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन दिया था। नंदीग्राम पश्चिम बंगाल की राजनीति में अहम स्थान रखता है। 2021 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने यहां ममता बनर्जी को हराया था। 2026 के विधानसभा चुनाव में भी शुभेंदु अधिकारी ने यह सीट जीती थी, लेकिन बाद में भवानीपुर सीट रखने के लिए नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने उपचुनाव में हसीरानी रथ को उम्मीदवार बनाया, जो शुभेंदु अधिकारी के पूर्व निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की मां हैं।

तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम सीटों पर मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इन रुझानों के बीच पार्टी समर्थकों ने चेन्नई और मदुरंतकम में जश्न मनाया। असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा बढ़त बनाए हुए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वह 82,988 वोटों से आगे चल रहे थे। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल दूसरे और कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा तीसरे स्थान पर थे। वहीं, पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर एनडीए समर्थित ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के उम्मीदवार अशोक आनंद ने जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी ई. विनायगम को हराया। यह सीट मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। इन उपचुनावों के लिए 6 अक्टूबर को मतदान हुआ था। नतीजों से चारों राज्यों में राजनीतिक दलों के प्रदर्शन और स्थानीय समीकरणों की तस्वीर सामने आ रही है।

मस्क ने पूछा-स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस क्यों नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी पर इलॉन मस्क ने उठाए सवाल, अंबानी पर बाजार में दबदबा बनाए रखने का आरोप लगाया। केंद्र सरकार ने भेदभाव के आरोपों को खारिज किया। स्पेसएक्स के प्रमुख इलॉन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है और कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के नियमों का पालन कर रही है। इसके बावजूद लाइसेंस क्यों नहीं मिला? मस्क ने सवाल किया कि क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं? इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जवाब दिया, "भारत में आपका स्वागत है, इलॉन। दूसरे शख्स से मिलने तक इंतजार कीजिए।" इसे उद्योगपति गौतम अडाणी की ओर इशारा माना जा रहा है। मस्क ने भी जवाब देते हुए कहा कि यह स्थिति परेशान करने वाली है। इससे पहले मस्क ने आरोप लगाया था कि भारत के कुछ बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवाओं के नियम सभी कंपनियों के लिए समान हैं। सरकार के मुताबिक, स्टारलिंक, जियो और एयरटेल से जुड़ी सुरक्षा समीक्षा की प्रक्रिया जारी है। स्टारलिंक ने भारत में नेटवर्क विस्तार के लिए जियो और एयरटेल के साथ शुरुआती समझौते किए हैं। कंपनी महाराष्ट्र, गुजरात और मेघालय के साथ भी सेवाओं को लेकर सहमति जता चुकी है।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में नेत्र जांच दिव्यांगों को बांटे कृत्रिम अंग

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल सभा रजि. मथुरा की ओर से आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को सेवा कार्य किए गए। होली गेट स्थित तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया, जबकि शाम को अग्रवाटिका में करीब 30 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरित किए गए।

मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल घी वाले ने बताया कि मेघ अग्रवाल की स्मृति में नेत्र शिविर लगाया गया। इसके संयोजक महेश चंद्र अग्रवाल (राजस्थान ज्वैलर्स) रहे। अग्रवाल सभा और तिलकद्वार धर्मशाला के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्य चुनाव अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सकों की टीम ने निःशुल्क ओपीडी और नेत्र परीक्षण की सुविधा दी। ऑपरेशन नौ अक्टूबर की शाम और 10 अक्टूबर की सुबह प्रस्तावित रहे। शिविर का समापन 10 अक्टूबर को सुबह 11 बजे श्रीजी बाबा नेत्र चिकित्सालय में होगा।

अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल देते चुनाव अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग आदि।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अशोक बंसल और प्रधानमंत्री सुभाष अग्रवाल सिक्का ने बताया कि दिव्यांग सेवा के तहत महेश कसेरे (महेश टेक्सटाइल) की ओर से उपकरण वितरित किए गए। शिविर का शुभारंभ पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, रामलीला सभा के सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल, कल्याणं करोति के सुनील शर्मा, सभा और धर्मशाला के पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। दिव्यांगों को 12 ट्राईसाइकिल, दो व्हीलचेयर, तीन वॉकर और करीब 10 बैसाखी सहित अन्य उपकरण दिए गए। संचालन प्रेम अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में रामनिवास अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, हरिओम अग्रवाल मांट वाले, कृष्ण मुरारी सर्राफ नेताजी, गोवर्धन दास नीनू, राजकुमार अग्रवाल रद्दी वाले, योगेश कागजी, अतुल हार्डवेयर, शिव कुमार अग्रवाल, मुकेश गर्ग कोसी वाले, मनोज अग्रवाल, रजनीश चौधरी, उमेश अग्रवाल जुगसना, प्रवीन सर्राफ, गोपाल दास काजू वाले, योगेश गोयल और राजेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवियों का सम्मान, गीतों और हास्य की फुहारों से सजी शाम

समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे को सम्मानित करते जवाहर बाग मॉर्निंग वॉकर्स ग्रुप के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर मार्ग स्थित होटल मुकुंद धाम में गुरुवार शाम जवाहर बाग मॉर्निंग वॉकर्स ग्रुप के तत्वावधान में सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पारंपरिक दाल-बाटी उत्सव के बीच समाजसेवियों का सम्मान किया गया। गीत-संगीत और हास्य प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ नंदकिशोर उपमन्यु एडवोकेट, राजीव बृजवासी और जयंती प्रसाद अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह में प्रमुख समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे, जल पुरुष, ऑक्सीजन मैन और अग्नि योद्धा को समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए शॉल- प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने समाजहित में किए जा रहे उनके सेवा कार्यों की सराहना की। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या में अजय गौतम एडवोकेट और उनकी धर्मपत्नी ने युगल गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। हास्य कवि एडवोकेट राम सरीन ने अपनी चुटीली रचनाओं और हास्य-व्यंग्य से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। गायक अनुराग कसेरे ने सदाबहार और नए गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल संगीतमय बना दिया। दाल–बाटी उत्सव के दौरान सदस्यों ने आपसी मेलजोल और सौहार्द के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम में नीरज गोयल, अजय माहेश्वरी, विजय माहेश्वरी, कन्हैया लाल (दाल वाले), श्यामसुंदर अग्रवाल (सदर), मनोज सिंघल, धर्मेंद्र कौशल, अशोक भारद्वाज, सतीश चंद्र, अनुराग कसेरे, धीरज सैनी, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल (शोरावाले) मुकेश मालपानी, एडवोकेट अजय सिंह, सतीश चंद (मेडिकल), सुधीर अग्रवाल, राम सरीन एडवोकेट, संदीप सर्राफ, सुशील गोयल, शैलेश बंसल, दीप सिंह जादौन, देवदत्त जोशी, बंशीधर उपाध्याय, आकाश गर्ग और आशुतोष रस्तोगी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सटीक गणना के लिए फील्ड ट्रेनरों को दिया प्रशिक्षण

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, मोबाइल ऐप संचालन और त्रुटिरहित आंकड़े जुटाने की दी गई जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को गति देने के लिए बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम शक्रवार को संपन्न हुआ। सात से नौ अक्टूबर तक चले इस प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनरों को जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं और मौके पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जनसंख्या गणना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें परिवारवार विवरण दर्ज करने, परिवार के सदस्यों की जानकारी जुटाने, बेघर लोगों की प्रशिक्षण में जनगणना ऐप के विभिन्न विकल्पों और मॉड्यूल के संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया।

जानकारी देते हुए बताया कि परिस्थितियों में ऐप के उपयोग, परिवारों का विवरण दर्ज करने और गणना की प्रक्रिया को समझा। डिप्टी कलेक्टर अश्विनी कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसे पूरी गंभीरता, जिम्मेदारी और शुद्धता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जिला प्रभारी जनगणना मृगेन्द्र बहादुर सिंह, सहप्रभारी जनगणना अभिषेक पांडेय तथा जिला मास्टर ट्रेनर बलवीर सिंह, सुधीर सोलंकी, गिरीश कौशिक और प्रकाश चंद सहित अन्य संबंधित प्रतिभागी उपस्थित रहे।

इलाज में लापरवाही और धोखाधड़ी के आरोप में निजी अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। शहर के गोवर्धन चौराहा स्थित रोहित किडनी एंड स्टोन हॉस्पिटल के खिलाफ इलाज में लापरवाही, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और धोखाधड़ी के आरोप में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में सुशीला निवासी राधिका विहार ने अस्पताल के चिकित्सक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्राथमिकी के अनुसार, उनको जनवरी में पेट में दर्द होने के बाद 19 जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि 20 जनवरी को उनकी लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई और 22 जनवरी को छुट्टी दे दी गई। शिकायत में इलाज के दौरान आवश्यक जांच और उपचार की प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उपचार से संबंधित दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई, कुछ प्रक्रियाओं और खर्चों के संबंध में उन्हें उचित जानकारी नहीं दी गई। मामले में अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर के मानकों और चिकित्सा संबंधी नियमों के पालन पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्राथमिकी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है।

पति की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

यूनिक समय,मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली महिला चित्रा चतुर्वेदी का कहना है कि 22 जुलाई की प्रातः घर में संपित्त को लेकर विवाद हुआ था। उनका आरोप है इसके बाद पति दुकान पर गए और वहां उनके साथ मारपीट के बाद मौत हो गई। मौत का होना बिजली का करंट लगना बताया गया। महिला घटनाक्रम और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर सवाल उठा रही है। इसके बाद जांच चल रही है, कहकर 22 दिन के अंदर केस को बंद कर दिया। चित्रा चतुर्वेदी का कहना है कि दोबारा इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

मोर कुटी आश्रम में संत भंडारा

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित मोर कुटी आश्रम में केशव देव के भक्तों की ओर से संत भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों संतों ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के भक्तों की उपस्थिति में देवराह बाबा के कृपापात्र महामंडलेश्वर परमेश्वर दास त्यागी ने भंडारे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या में भक्त भक्ति रस में सराबोर हो गए। मनमोहन आगरा ने 'मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है', बनवारी लाल शर्मा ने 'वृंदावन में नाचे मोर, मैं भी नाचूंगी' और दीपक शर्मा ने 'ब्रजराज में लोट लगाइ लूं, तू जब वृंदावन आवे' भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में सर्वोदय ब्राह्मण विकास संस्थान के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, कन्हैया लाल झुंझुनवाला, मोहनलाल, अनिल बंसल, संजय दलाल, राजीव गुप्ता, राजकुमार गुप्ता और ओम प्रकाश सोनी सहित अनेक भक्त मौजूद रहे।

सांझी महोत्सव में श्रीकृष्ण की लीलाओं की कलात्मक छटा ने मोहा मन

यूनिक समय, महावन। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रसखान-ताज बीबी समाधि परिसर में आयोजित सांझी महोत्सव–2026 में ब्रज की पारंपरिक लोककला के विविध रूप दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। पोर्ट्रेट पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की कलात्मक प्रस्तुति, पानी पर तैरती सांझी और गोबर से तैयार पारंपरिक सांझी ने महोत्सव को विशेष बना दिया है। पांच दिवसीय महोत्सव का शनिवार को अंतिम दिन है।

महोत्सव के चौथे दिन शुक्रवार को बड़ी संख्या में वैष्णव तीर्थयात्रियों ने परिसर पहुंचकर सांझी कला की बारीकियों को देखा और कलाकारों की रचनात्मकता की सराहना की।

सांझी कला बनाने वालीं कलाकार से जानकारी लेते दर्शक।

वृंदावन के प्रसिद्ध चित्रकार रसिक बल्लभ गोस्वामी की पानी पर तैरती सांझी दर्शकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। चित्रकार विश्वजीत और उनके साथी कलाकारों ने भी इस अनूठी विधा के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। धौलीप्याऊ निवासी सेवानिवृत्त प्राचार्य उमा ने पोर्ट्रेट पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को उकेरकर आकर्षक प्रस्तुति दी। मिर्जापुर की चित्रकार खुशबू और बलदेव पब्लिक स्कूल की छात्राओं की कलाकृतियों को भी दर्शकों ने पसंद किया।

दक्ष एजुकेशन इंस्टीट्यूट की छात्राओं की सांझी और कार्ष्णि इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों की रंगोली ने परिसर की सुंदरता बढ़ाई।

आगरा की सुनीता और अनुष्का, गोकुल की लक्ष्मी द्वारा गोबर से तैयार पारंपरिक सांझी ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

कलाकारों ने पारंपरिक विधाओं के साथ नए प्रयोग करते हुए ब्रज की सांस्कृतिक विरासत और श्रीकृष्ण की लीलाओं को विभिन्न कलात्मक माध्यमों में प्रस्तुत किया। महोत्सव के माध्यम से सांझी कला को पहचान दिलाने और नई पीढ़ी को ब्रज की लोकपरंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सांझी कला प्रशिक्षण से जुड़ीं 40 छात्राएं

पेपर कटिंग से सांझी बनाने का सीखा हुनर, संगोष्ठी में संरक्षण पर मंथन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांझी महोत्सव–2026 में शुक्रवार को कौशल विकास कार्यशाला और संगोष्ठी हुई। कार्यशाला में करीब 40 छात्राओं ने पेपर कटिंग के माध्यम से सांझी बनाने का प्रशिक्षण लिया। संगोष्ठी में ब्रज की प्राचीन लोककला के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने पर चर्चा की गई।

वृंदावन के सांझी कला विशेषज्ञ अमरेश चंद्र भट्ट ने छात्राओं को स्टेंसिल के माध्यम से सांझी बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण के गाय चराकर लौटने पर उनके स्वागत में सांझी बनाई जाती थी। कालांतर में यह परंपरा मंदिरों में विकसित हुई। बदलते समय में इस कला को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। प्रशिक्षण में छात्राओं ने कागज पर विभिन्न आकृतियां काटकर स्टेंसिल तैयार किए और रंगों से सांझी बनाना सीखा। खाजानी वूमंस इंस्टीयूट की निदेशक शिप्रा राठी ने कहा कि सांझी कला को कौशल विकास से जोड़ने से रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। महोत्सव के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अगला प्रशिक्षण सत्र 10 अक्टूबर को होगा। संगोष्ठी में अनीता सिकरवार, मांडवी राठौर और संतोष रिचा सहित अन्य कलाकारों ने सांझी कला की विशेषताओं और उसके संरक्षण पर विचार साझा किए।